डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 > अंक : 49 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

साप्ताहिक समाचार पत्र

देर-सवेर हर अपराध की सजा निश्चित है। -शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

जयपुर, बुधवार, 07 जून 2023

(जागो गहलोत सरकार जागो)

पंचवटी सर्कल बन गया पांचाली

पंचवटी की सरकारी ज़मीनों का लगातार चीरहरण कर रहे भाजपा के दो पूर्व पार्षद व भूमाफ़िया

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान में गहलोत सरकार बड़े-बड़े फ़ैसले लेकर जनता का दिल जीतने की कोशिश कर रही है लेकिन दूसरी ओर राज्य में बढ़ते सरकारी व निजी संपत्तियों पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण इसकी साख को खोखला कर रहे हैं।

बिल्डिंग बायलॉज की सरेआम धज्जियाँ उड़ा रहे हैं बिल्डर्स और भूमाफ़ियाओं की गैंग सरकारी संपत्ति डकार कर आये दिन सरकार के मुँह पर तमाचा जड़ रही है।

राजधानी का दिल कहे जाने वाले राजापार्क का यही हाल है किसी भी गली में प्रवेश कर जाएँ आपको अवैध निर्माण आसानी से देखने को मिल जायेंगे। नगर निगम मालवीय नगर जोन के उपायुक्त महेश मान पर एसीबी की जाँच बैठनी चाहिए क्योंकि उनकी देखरेख और सांठगांठ से इस वक़्त मालवीय नगर जोन में अवैध निर्माण और अतिक्रमण ज़्यादा आसान और सरलता से किये जा रहे हैं।

पंचवटी सर्कल पर अक्सर नज़र आने वाले महेश मान सरकारी व सांस्थानिक ज़मीनों के अतिक्रमण पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे यह एक बड़ा गंभीर मामला है जिसका जवाब उपायुक्त महोदय महेश मान को एक न एक दिन देना ही होगा।

पुराने सरकारी डाकघर,सरकारी स्कूल और बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन खुर्द-बुर्द कर अतिक्रमण कर अवैध व्यवसायिक निर्माण कर अवैध किराया वसूली का धंधा ज़ोरों पर

सरकारी डाकघर और स्कूल की ज़मीन पर अतिक्रमण कर अवैध दुकानें बन और बिक जाना या किराये पर चढ़ जाना सिस्टम के भ्रष्टाचार को चीख-चीख कर बता रहा है लेकिन सरकार और उच्च प्रशासन दोनों बहरे हो गए हैं

सालों पहले सरकारी स्कूल के रख-रखाव की इनकम के लिए स्कूल की ज़मीन मैरिज गार्डन के लिए लीज के नाम पर स्कूल प्रबंधन ने दी थी लेकिन वक़्त के साथ यह लीज अवैध कब्जे में बदल गयी। अब लीजधारक टेंट,कपड़ों की सेल,ठेलों की जमावट के साथ इस करोड़ों की सरकारी ज़मीन पर कब्जा करके बैठ गया है।

बन्नूवाल कमेटी पर चौपाटी चलाकर करोड़ों का किराया भूमाफ़िया डकार रहे हैं और सरकार और प्रशासन सोया है।

आइये जानते हैं इन भूमाफ़ियाओं का इतिहास एक नज़र में

पात्र 01 : ऑटो चला कर अपना जीवन यापन करने वाला आम आदमी भूमाफ़िया कैसे बन गया यह कहानी बड़ी लंबी है लेकिन लगातार लोगों से लड़ाई झगड़ा करके,अवैध ठेके लेकर,ख़ाली या विवादित प्लॉट व मकानों पर कब्जा करके,डरा धमकाकर विवादित मकानों में हस्तक्षेप करके उन्हें खाली करवाकर, सट्टे लगाकर, जुएँ के साथ-साथ शराब और शबाब दोनों का सप्लाई चैन बनकर आज वह ऑटो चालक राजापार्क में करोड़ों की संपत्ति का मालिक बन बैठा है।

पात्र 02 : स्कूटर की रिपेयरिंग करता राजनीति में किस्मत आजमाने पहुँचा। राजनीति में इस पात्र ने नींव ही झूठ की रखी है जो आज भी इसके अस्तित्व की इमारत पर लटकती तलवार है। गुरुनानकपुरा के पार्षद पद के लिए सामान्य वर्ग से एससी वर्ग का झूठा रिकॉर्ड बनाकर राष्ट्रीय पार्टी भाजपा के बैनर तले चुनाव लड़ा और जीत गया। विधायक की धाक से निगम में अतिक्रमण निरोधक कमेटी का चैयरमैन बनकर राजापार्क की लावारिस पड़ी करोड़ों की ज़मीनों पर नज़रें गढ़ा दीं और आज करोड़ों की अवैध संपत्ति जमा करके बैठा है।

बन्नूवाल कमेटी के वारिस का इन भूमाफ़ियाओं से मिलीभगत कर एक करोड़ की दुकान लेकर बैठ जाना और 70-80 रुपये के किराए से संतुष्ट हो जाना ऐसे ही है जैसे पूर्वजों की पूंजी को सट्टे में गंवा देना। बेहद शर्मनाक है यह सौदा।

पात्र 03 : वैल्डिंग के धंधे में से निकलकर पात्र 02 के वारे-न्यारे होते देखकर इनके भी अरमान जगे राजयोग भोगने के और उसी नक़्शे क़दम पर चलते हुए सामान्य कोटे का होते हुए भी फ़र्ज़ी एससी के दस्तावेजों से भाजपा के ही बैनर तले पार्षद पद का चुनाव लड़ा और जीता और हज़ारों घपलों और घोटालों से राजापार्क में ही अवैध अकूत संपत्ति का मालिक बन बैठा।

पात्र 04 : अपनी उम्र का पूरा दौर जी लेने के बाद भी लालच इनका पीछा नहीं छोड़ रहा। सरकारी स्कूल के रख-रखाव के लिए कई सालों पहले स्कूल प्रशासन ने स्कूल की बाक़ी की ज़मीन लीज पर मैरिज गार्डन के लिए इस पात्र को दे दी थी। वक़्त की धूल में लीज तो खो गयी लेकिन स्कूल की ज़मीन पर इस पात्र ने कब्जा कर लिया। अब वहाँ रात को स्ट्रीट फूड के ठेले खड़े करने का किराया वसूलता है और धड़ल्ले से अवैध मैरिज गार्डन चला रहा है। क्या शासन-प्रशासन को इस अवैध मैरिज गार्डन में किसी बड़ी दुर्घटना के घटित होने का इंतज़ार है।

अभी और पात्र हैं इस खेल में इन अन्य पात्रों की कहानी आगामी अंकों में

- गहलोत सरकार की नाक के नीचे सारा खेल रचा जा रहा है लेकिन गहलोत सरकार छिंटाकशीं और ग़ाली-गलौच और इल्ज़ामों में व्यस्त है।
- कांग्रेस के राज में भाजपा पार्षद चाहे वह वर्तमान पार्षद घनश्याम चंदलानी हो, पूर्व पार्षद बलदेव सिंह हो या पूर्व पार्षद देवेंद्र सिंह सभी चाँदी कूट रहे हैं।
- शासन और प्रशासन कटघरे में खड़े हैं और उपायुक्त महेश मान अपनी रोटियाँ सेंक रहें हैं सारे मालवीयनगर जोन में अपनी गोटियाँ फिक्स करके।

ख़बर-बेख़बर

(पंचवटी-पंचतंत्र की कहानियाँ)

गुरुनानकपुरा से भाजपा के नेतृत्व में सामान्य कोटे का होते हुए एससी कोटे से लड़ा पार्षद पद का चुनाव!

भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग की आँखों में धूल झौंककर पंचवटी सर्कल की भूमाफ़िया गैंग के दो सदस्यों ने झूठ के बल पर लड़ा पार्षद का चुनाव?

वेल्डिंग करने वाले और स्कूटर ठीक करने वाले सामान्य मिस्त्री मास्टर माइंड बने भूमाफ़िया गैंग के

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजापार्क पंचवटी सर्कल लगातार सुर्खियों में है। भूमाफ़ियाओं द्वारा सरकारी ज़मीनों को लीज पर या किराए पर देकर पैसा वसूलना तो एक बड़ा गंभीर अपराध है ही लेकिन गौर करने वाली बात है कि आख़िर पंचवटी सर्कल पर ये भूमाफ़िया कैसे पनपे?

इसका उत्तर है कि इन भूमाफ़ियाओं की गैंग में से दो सदस्य भारतीय जनता पार्टी,राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग व जनता की आँखों में धूल झौंककर,झूठ बोलकर,जनता व पार्टी का विश्वास जीतकर जनरल कोटे के होते हुए एससी कोटे से पार्षद का चुनाव लड़ कर जीते।

यह इन झूठे मक्कार पार्षदों का पहला गम्भीर अपराध था जिसे प्रशासन-भाजपा की मिलीभगत कहें या लापरवाही कहें या फिर आम जनता की ख़ामोशी का नतीजा लेकिन इससे इन झूठे पार्षदों के हौसले बुलंद हो गए।

सबसे बड़ी बात इस धोखाधड़ी और चार सौ बीसी में ये पार्षद अपना कार्यकाल पूरा भी करके गए।

राष्ट्रीय पार्टी के बैनर तले यह अपराध होना बड़ा ही आश्चर्य का विषय है।

आज इस अपराध को किये हुए लगभग 13-14 साल भी गुज़र गए लेकिन कहते हैं न अपराध कभी बूढ़ा नहीं होता उसकी मियाद हमेशा ताज़ा बनी रहती है। हालांकि सन्देह की सुईयाँ ऊपर तक के सिस्टम के भ्रष्टाचार की ओर इशारा करतीं हैं लेकिन हर अपराध की सज़ा देर-सबेर अपराधी को भुगतनी ही होती है। अपराध जब भी उजागर होता है अपने साथ दण्ड को भी लाता है।

इन पार्षदों का यह झूठ और ज़हरीला बन गया जब तात्कालिक मेयर,विधायक व मंत्री के आदेश और आशीर्वाद से एक झूठे मक्कार पार्षद को अतिक्रमण तोड़-फोड़ कमेटी का चेयरमैन बनाया गया। दूसरे पार्षद ने जितने घपले करने थे अपने कार्यकाल में जमकर किये।

इस तरह वेल्डिंग करने वाले और स्कूटर ठीक करने वाले सामान्य मिस्त्री मास्टर माइंड बन गए भूमाफ़िया गैंग के

एक विशेष मक़सद से ये दोनों पार्षद आगे-पीछे शासन के ग़लियारों में घुसे वहाँ पर सेंध लगाकर सिस्टम के खोखलेपन को समझा और फिर खेल शुरू हुआ सरकारी ज़मीनों,सुनसान मकानों, निजी लावारिस पड़ी ज़मीनों और अकेले-दुकेले बुजुर्गों के बंगलों या मकानों पर कब्ज़े करने का।

जनता की मूर्खतापूर्ण वोटिंग और पार्टी व प्रशासन की लापरवाही या मिलीभगत ने चोरों के हाथ में चाबी का गुच्छा रख दिया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग में किसी ने ख़बर या शिक़ायत तक नहीं दी कि ये लोग जनरल कोटे के हैं और एससी कोटे में धोखाधड़ी से पार्षद पद के चुनाव के लिए आगे आये हैं और जीते हैं और इस तरह इस गम्भीर अपराध की सफलता और दबंगता व सिस्टम के खोखलेपन ने इन ठगों को दूसरा,तीसरा,चौथा,पांचवा अपराध करने के लिए प्रेरित कर दिया आज ये दोनों पार्षद राजापार्क में करोड़ों की संपत्ति के मालिक बन बैठे हैं। पार्षद पद की धोखाधड़ी के साथ-साथ इनकी अवैध अकूत संपत्ति और करोड़ो के घोटालों, अतिक्रमणों का खुलासा भी जल्द होगा।

हिलव्यू समाचार की टीम लगातार पड़ताल कर रही है इस मामले की जिसके तहत दोनों पूर्व पार्षदों का इतिहास खँगाला जाएगा और जल्द ही सारा सच मय दस्तावेज़ शासन-प्रशासन और जनता के समक्ष होगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई

अठारह बीघा भूमि पर बनाई जा रही तीन कॉलोनियां तोड़ीं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने मंगलवार को तीन अलग- अलग जगह बनी तीन नई कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इसके तहत जोन-11 में पहले तोड़ी गई, 16 बीघा कृषि भूमि पर 2 नवीन अवैध कॉलोनियों में शेष रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इसके अलावा 2 बीघा कृषि भूमि पर बनाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया गया।

जोन- 5 में गुर्जर की थड़ी करतारपुरा नाले के पास सरकारी भूमि पर रातों-रात बनाई जा रही टीनशेडनुमा अवैध कोठरी को तोड़ा गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-11 सांगानेर में कृषि भूमि पर गणेशम विहार और बालाजी विहार के नाम से कॉलोनी बसाई जा रही थी, जिनको मंगलवार को तोड़ दिया गया।

बाढ़ नियंत्रण के लिए इन्सीडेंट कमांडर्स नियुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बाढ़ की संभावना को देखते हुए आगामी मानसून सत्र से पहले ही जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं जल भराव के क्षेत्रों की मॉनिटरिंग करने के लिए इन्सीडेंट कमांडर्स की नियुक्ति की गई है। इनकी जिम्मेदारी जल भराव की स्थिति में जल निकासी का प्रबंध करना, प्रभावित इलाकों में आवश्यक दवाइयों का छिड़काव करना, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विद्यालय भवन, सामुदायिक भवन, आश्रय स्थल एवं पुनर्वास हेतु भवनों को चिह्नित करना एवं प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित करवाना होगी। इधर, मंगलवार को शहरी क्षेत्र में 22 इन्सीडेंट कमांडर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपखंड अधिकारियों को इन्सीडेंट कमांडर की जिम्मेदारी सौंपी गई। जयपुर शहर में इन्सीडेंट कमांडर नगर निगम जयपुर हेरिटेज और ग्रेटर एवं जयपुर विकास प्राधिकरण से समन्वय कर संसाधनों का आंकलन करना एवं बाढ़ की स्थिति में राहत गतिविधियों का संचालन करेंगे।

हिलव्यू समाचार

फ्री

द्वारा दूसरी बार

फ्री

12 जून,सोमवार को

द केरला स्टोरी मूवी

18 वर्ष से ऊपर की लडकियाँ व महिलाएँ

बर्थ आईडी के साथ रजिस्ट्रेशन एवं

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

CALL: 7976561127, 9928856290

सम्पादकीय

पर्यावरण संरक्षण विश्व का प्रमुख एजेंडा बने

पर्यावरण की रक्षा विश्व के सभी देशों का प्रमुख एजेंडा होना चाहिए। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर यह आत्मावलोकन जरूरी है कि हम धरती पर बढ़ रहे तापमान के खतरे के प्रति कितना सचेत हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण पर खूब बात होती है, सभी देश क्लाइमेट चेंज के खतरे को कम करने की कसमें खाते हैं, लेकिन पर्यावरण को बचाने के उपायों को अपनाने में अपनी-अपनी मजबूरी बता कर कोताही बरतते हैं। जीवाश्म ईंधन के इश्तेमाल कम करने व क्लीन हरित एनर्जी के स्त्रोतों को अपनाने के प्रयास बहुत सुस्त हैं। पिछले साल हुए यूएन के सीओपी-27 सम्मेलन में वैश्विक तापमान को कम-से-कम 2° सेंटिग्रेड की सीमा से नीचे रखने पर प्रतिबद्धता जताई है। 1990 और 2020 के बीच वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 14 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य (जीटीसीओ2ई) की वृद्धि हुई है। अगर कार्बन उत्सर्जन की दर को नियंत्रित नहीं किया गया तो वर्ष 2100 तक वैश्विक तापमान में 2.7° सेंटिग्रेड की वृद्धि हो जाएगी, जिससे ग्लेशियरों के पिघलने का जहां खतरा बढ़ेगा, वहीं गर्मी जनित बीमारियां भी बढ़ेंगी। क्लाइमेट के पेरिस करार के मुताबिक ग्लोबल तापमान को 2° सेंटिग्रेड से कम रखा जाना है। धरती पर कार्बन डायऑक्साइड समेत अनेक जहरीले गैस के बेतहाशा उत्सर्जन से पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है, जिसके चलते जहां नई नई बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं, वहीं जलवायु बेमौसम बारिश, गर्मी सर्दी, बाढ़, तूफान, भूस्खलन आदि से गुजर रहा है। इस साल सीओपी 28 की बैठक होनी है, इसमें ग्लोबल वार्मिंग कम करने के जिए जीवाश्म ईंधन के प्रयोग पर अंकुश लगाने व हरित व क्लीन एनर्जी के स्त्रोतों को अपनाने का प्रमुख ग्लोबल एजेंडा होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख सिमोन स्टिएल का कहना है कि दुनिया अगर 'ग्लोबल वार्मिंग' पर अंकुश लगाना चाहती है तो उसे जीवाश्म ईंधन को खत्म करने की जरूरत है। गर्मी पैदा करने वाले जीवाश्म ईंधन एक ऐसा मुद्दा है, जो हर वैश्विक चर्चा या अधिकांश चर्चाओं में सबसे ऊपर रहा है, लेकिन यह प्राथमिक एजेंड में नहीं बदल पा रहा है। यूएन की चिंता को विश्व को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर कहा है कि भारत सभी विकसित देशों के साथ जलवायु न्याय के मुद्दे को मजबूती से उठाता रहा है। विश्व जलवायु की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देश निहित स्वार्थों से ऊपर उठकर सोचें। लंबे समय तक दुनिया के बड़े और आधुनिक देशों में विकास का जो मॉडल बना, वह बहुत विरोधाभासी है। इस विकास मॉडल में पर्यावरण को लेकर बस, यह सोच थी कि पहले हम अपने देश का विकास कर लें, फिर बाद में पर्यावरण की भी चिंता करेंगे। इससे ऐसे देशों ने विकास के लक्ष्य तो हासिल कर लिए, लेकिन पूरे विश्व के पर्यावरण को उनके विकसित होने की कीमत चुकानी पड़ी। आज भी दुनिया के विकासशील और गरीब देश, कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों का नुकसान उठा रहे हैं। दशकों-दशक तक कुछ विकसित देशों के इस रवैये को न कोई टोकने वाला था, न कोई रोकने वाला था। लेकिन अब जिम्मेदार देशों को पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे आना ही होगा। पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक भूमिका में भारत हमेशा आगे रहा है। हाल में भारत ने 'हरित और स्वच्छ ऊर्जा' पर काफी ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन इसकी गति बहुत धीमी है।

जीडीपी विश्लेषण

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

चुनौतियों के बीच बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

यद्यपि भारत 7.2 फीसदी विकास दर के साथ सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है, पर अभी भी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को सुधारने और वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर को ऊँचाई देने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता की कमान रखते हुए भारत को मेक इन इंडिया और मेक फॉर ग्लोबल की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। दुनिया का नया आपूर्ति केंद्र बनने, अधिक विदेशी निवेश और अधिक निर्यात की संभावनाएँ मुट्ठियों में लेनी होगी। विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति व गतिशक्ति योजना की रणनीतियों से आगे बढ़ना होगा।

दुनिया की प्रसिद्ध वैश्विक वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली की नई रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2032 तक भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक और एशियाई विकास का केंद्र बन जाएगी तथा भारत में प्रतिव्यक्ति आय मौजूदा 2200 डॉलर से बढ़कर 5200 डॉलर हो जाएगी। हाल ही में जहाँ 31 मई को सरकार द्वारा प्रकाशित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है, वहीं एक जून को प्रकाशित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अहम आंकड़ों ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी का जोरदार संकेत देते हुए विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। पिछले माह मई में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), यात्री वाहनों की बिक्री और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये हुए लेनदेन में प्रभावी वृद्धि पाई गई है।

यदि हम आँकड़ों की ओर देखें तो पाते हैं कि मई में जीएसटी संग्रह पिछले साल मई के मुकाबले 12 फीसदी बढ़कर 1.57 लाख करोड़ रुपये रहा। उत्पादन में तेजी के कारण मई में पीएमआई 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। मई में यात्री वाहन उद्योग भी तेजी से आगे बढ़ा। यात्री वाहनों की बिक्री भी मई 2022 के मुकाबले 13.5 फीसदी बढ़कर 3,34,802 इकाई हो गई। इसी तरह मई में यूपीआई लेनदेन ने भी रिकॉर्ड बना दिया। इस महीने में 14.3 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। मई 2023 में कुल 941 करोड़ यूपीआई लेनदेन थे, जो मई, 2022 से 6 फीसदी अधिक रहे। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी और आर्थिक वृद्धि के अनुमान बढ़ गए हैं।

निश्चित रूप से हाल ही में प्रकाशित उत्साहवर्द्धक आर्थिक आँकड़ों से देश की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग भी बढ़ेगी। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि विभिन्न वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अनुकूल क्रेडिट रेटिंग का परिदृश्य है। 18मई को दुनिया की प्रमुख अमेरिका की एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की सॉवरिन रेटिंग स्थिर परिदृश्य के साथ दीर्घावधि के लिए 'बीबीबी-' और कम अवधि के लिए 'ए-3' रखी है। यह परिदृश्य बताता है कि भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और राजस्व में अच्छी वृद्धि राजकोष को मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही एसऐंडपी ने उम्मीद जताई है कि भारत की वास्तविक वृद्धि दर वित्त वर्ष 24 में 6 प्रतिशत रहेगी क्योंकि निवेश और उपभोक्ताओं का रुख वृद्धि में अगले कुछ साल तक मददगार रहेगा। ऐसे में वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 26 में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। गौरतलब है कि 11 मई को प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा, क्योंकि भारत का चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी

निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि विगत 9 मई को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग बीबीबी- बरकरार रखी है। दीर्घ अवधि के ऋण पर भारत का परिदृश्य स्थिर रखा है। रेटिंग निर्धारित करते हुए फिच ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार के सहयोग से कंपनियों और बैंकों के बहीखाते में काफी सुधार हुआ है और आधारभूत संरचना के विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है। निजी क्षेत्र भी बड़े स्तर पर निवेश करने की तैयारी कर रहा है। फिच ने कहा कि बढ़ी महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी की बड़ी चुनौतियां के बीच भारत की आंतरिक वित्तीय स्थिति थोड़ी कमजोर जरूर है और प्रति व्यक्ति आय और विश्व बैंक के मानकों पर भी भारत थोड़ा फिसला है। इसके बाद भी दूसरे देशों की तुलना में भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं काफी मजबूत हैं और विदेश से आने वाले वित्तीय संसाधन भी संतोषप्रद हैं। निवेश की बेहतर संभावनाओं के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 6 फीसदी और वित्त वर्ष 2024-25 तक देश की वृद्धि दर बढ़कर 6.7% तक पहुंचने का अनुमान है।

इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 फीसदी से भी अधिक का योगदान देगा। जहाँ पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक रही है, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहते हुए फिर सर्वोच्च होगी।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि बढ़ता विदेश व्यापार और बढ़ता निर्यात भारत की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को संतोष प्रद बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आर्थिक अस्थिरताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊँचाई पर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विदेश व्यापार 1.43 लाख करोड़ डॉलर रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विदेश व्यापार पिछले वर्ष से और अधिक ऊँचाई पर पहुँच सकता है।

निसंदेह बढ़ते हुए वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यान्न का बढ़ता निर्यात विश्व में भारत की आर्थिक व मानवीय साख बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है।

यद्यपि भारत 7.2 फीसदी विकास दर के साथ सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है, पर अभी भी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को सुधारने और वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर को ऊँचाई देने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता की कमान रखते हुए भारत को मेक इन इंडिया और मेक फॉर ग्लोबल की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। दुनिया का नया आपूर्ति केंद्र बनने, अधिक विदेशी निवेश और अधिक निर्यात की संभावनाएँ मुट्ठियों में लेनी होगी। विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति व गतिशक्ति योजना की रणनीतियों से आगे बढ़ना होगा। मार्गन स्टेनली के द्वारा भारत के संबंध में प्रस्तुत की गई रिपोर्ट साकार हो सकती है, जिसमें 2032 तक भारत वैश्विक और एशियाई विकास का केंद्र बन जाएगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

अब पंजाब विश्वविद्यालय पर हरियाणा-पंजाब में खींचतान

पंजाब विश्वविद्यालय में हिस्सेदारी को लेकर इन दिनों हरियाणा व पंजाब में खींचतान जारी है। शायद दोनों मुख्यमंत्रियों को व कुलपति महोदय को भी यह स्मरण कराना अनुचित न होगा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1882 में लाहौर में हुई थी। अब भी इसी नाम से वहां पंजाब यूनिवर्सिटी कायम है। भारत विभाजन के बाद 1 अक्तूबर, 1947 को 'ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी' के नाम से यह भारत में स्थापित हुई थी। तब इसका अस्थायी मुख्यालय सोलन (हिमाचल) के छावनी क्षेत्र में था। नाम में नया बदलाव वर्ष 1951 में आया। अब चंडीगढ़ में स्थापित इस विश्वविद्यालय में शैक्षणिक-स्टाफ की संख्या 1005 है, 78 विभाग हैं और 188 कॉलेज इससे सम्बद्ध हैं। लगभग 550 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय में अपना ही हेल्थ सेंटर है, छात्रावास हैं और प्राध्यापकों व कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए भी आवास हैं। प्रथम चरण में इसके शिक्षण-विभागों के केंद्र होशियारपुर, जालंधर, दिल्ली व अमृतसर में भी थे। सेक्टर 16 व सेक्टर-25 के कुछ क्षेत्रों में फैले हुए इस विश्वविद्यालय का आर्कीटैक्चर लॉ-कार्बूजिए और पियरे जैनरे ने ही रचा था। एक समय ऐसा भी था जब इसका एक अस्थायी परीक्षा केंद्र लंदन में भी था और दिल्ली में तो था ही।

थोड़ी चर्चा लाहौर की भी कर लें। वहां इसका घोषित लक्ष्य (मॉटो) था 'ईमान','इतिहास' और 'तन्ज़ीम' (संगठन)। वहां भी इस समय 1006 प्राध्यापक हैं और छात्रों की संख्या 45678 है। वह परिसर 1781 एकड़ में फैला हुआ है। इस विश्वविद्यालय के भी कई क्षेत्रीय केंद्र हैं। मसलन, अल्लामा इकबाल कैम्पस, खानपुर कैम्पस, गुजरांवाला कैम्पस,जेहलम-कैम्पस।

दिलचस्पी की बात यह भी है कि इसकी स्थापना अक्तूबर 1882 में शिमला में आयोजित एक बैठक में हुई थी। वैसे 1 जनवरी, 1864 को 'गवर्नमेंट कॉलेज यूनिवर्सिटी' के बैनर तले स्थापना वहां की एक जनसभा में की गई है। इसके पुराने छात्रों व प्राध्यापकों में डॉ. मुहम्मद इकबाल भी थे, नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. हरगोबिन्द खुराना भी, नोबेल पुरस्कार प्राप्त अब्दुस्सलाम भी, चौधरी रहमत अली भी, भारत के प्रधानमंत्री रहे इंद्र कुमार गुजराल, हिमाचल के संस्थापक यशवंत सिंह परमार, कश्मीरी हुर्रियत के नेता सैयद अली शाह गिलानी व पूर्व पाक-प्रधानमंत्री यूसुफ़ रज़ा गिलानी भी थे और इसरो के अध्यक्ष सतीश धवन, अंतरिक्ष विज्ञानी यशपाल, भारतीय आईटी उद्योग के जनक एफसी कोहली और फैज़, कासमी सरीखे शायर भी। चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति देश के उपराष्ट्रपति ही होते हैं। इसके पूर्व छात्रों एवं प्राध्यापकों में डॉ. मनमोहन सिंह, आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. इंद्र नाथ मदान, सुषमा स्वराज, डॉ. रमेश कुंतल मेघ, डॉ. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता, बलवंत गार्गी और स्वदेश दीपक आदि के नाम शामिल हैं। इस विश्वविद्यालय का घोषित लक्ष्य (मॉटो) है, 'तमसो या ज्योतिर्गमय'।

जब से पंजाब का पुनर्गठन (1966) हुआ और हरियाणा अस्तित्व में आया तब से लेकर अब तक दोनों राज्यों के मध्य किसी भी द्विपक्षीय विवाद का हल नहीं हो पाया। अलग राजधानी, अलग सचिवालय, अलग विधानसभा परिसर, अलग हाईकोर्ट, जल-बंटवारा, चंडीगढ़-विभाजन, सभी अधर में लटके हैं। लेकिन यह भी एक सुखद हकीकत है कि इतने विवादों के समाधान न हो पाने के बावजूद दोनों राज्य फल-फूल रहे हैं। देश के इतिहास में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता जहां दो राज्य एक ही राजधानी से काम चला रहे हों। दोनों का सचिवालय भी एक है। सिर्फ सदन अलग-अलग हैं।

एसवाईएल, राजीव लौंगोवाल-समझौता, शाह कमीशन, कैथ्यू कमीशन, वेंकटचलैया-कमीशन, इराडी-ट्रिब्यूनल और लगभग आधा दर्जन समितियां बनती बिगड़ती रहीं। कहीं कुछ नहीं हुआ। सब वहीं है, जहां 1 नवम्बर, 1966 को था। शायद करोड़ों रुपये इन आयोगों, समितियों पर ही खर्च हो गए। जब इतनी साझेदारी से काम चल रहा है तो 'हंगामा है क्यों बरपा'।

पंजाब यूनिवर्सिटी लाहौर के पुस्तकालय में संस्कृत, पाली व हिंदी की लगभग 500 हस्तलिखित पांडुलिपियां भी मौजूद हैं। मगर हमारा कोई विद्वान या नेता या उच्चायोग अधिकारी उन्हें सूंघने या देखने भी नहीं जाता। वहां यूनिवर्सिटी के गलियारों में तक्षशिला के चित्र भी लगे हैं, एक भारतीय कला साधक एसएल पाराशर की पेंटिंग्स भी लगी हैं लेकिन उनकी चर्चा भी हमारे यहां नहीं होती। यदि कभी सकारात्मक माहौल होता तो पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर व पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के पुराने छात्रों का एक साझा सम्मेलन भी हो जाता, लेकिन ऐसे प्रयासों की न तो किसी के पास फुर्सत है न ही 'विज़न'। गर पहलकदमी होती तो एक 'ऑनलाइन' प्रयास तो हो ही सकता था। बहरहाल, हम सब विवादों को बनाए रखने के शौकीन भी तो हैं।

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

संकलित

दर्शन

मन को कबीर साहब ने चंचल और चोर बताया है। कहा है, मन-मन करते सुर-नर-मुनि सब नष्ट हो गए। आदमी के घर में एक दरवाजा होता है तो बार-बार खोलता-बंद करता है। मन के अंदर लाखों दरवाजे हैं, उन लाखों दरवाजों को बंद करने के लिए मन की कितनी साधना करनी पड़ती है। मन के भीतर तृष्णा बैठी है। तृष्णा मन की सगी बहन है। एक पल में सातों समुद्र लांघ जाती है। पलक झपकते सातों समुद्र का पानी एक घूंट में पी जाती है। कबीर मन के इन लाखों दरवाजों को बंद करने की सहज युक्ति बताते हुए कहते हैं, 'गोधन, गजधन, बाजिधन और रतन धन खान। जब आवे संतोष धन सब धन धूरि समान। आशय यह कि संतोष धन से मन को नियंत्रित किया जा सकता है। कबीर साहब के इस अध्यात्म भाव से तृष्णा पर रोक लगा सकते हैं। संत कबीर मन की निर्मलता की बात भी जोर-शोर से उठाते हैं। उनकी विख्यात साखी-'यह मन निर्मल भया जैसे गंगा नीर, पीछे-पीछे हरी फिरे कहत कबीर-कबीर' कबीर दर्शन का महत्वपूर्ण पक्ष है। उन्होंने आध्यात्मिक रूप से मन को इतना निर्मल बना लिया था कि ईश्वर ही उनके पीछे-पीछे फिर रहे थे। इसे कबीर स्पष्ट रूप से बताते हैं-'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।' मोक्ष आध्यात्मिक चेतना की महत्वपूर्ण कड़ी है। संत कबीर आत्मवादी संत थे। आत्मा को जान लेना, उसकी अनुभूति प्राप्त कर लेना ही मोक्ष की पराकाष्ठा है। आत्मा सब घट में विराजमान है।

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के पुराने मालिक के हैं, जिससे ऊंट खरीदा है। पोटली में हीरे देखकर नौकर ने कहा कि हमें तो ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान।

अंतर्मन

आज की पाती

कबीर जी की शिक्षाओं का अनुसरण करें

हमारे देश में बहुत से साधु-संत हुए हैं जिन्होंने अपनी शिक्षाओं और उपदेशों से समाज को एक नई और अच्छी दिशा दी है। इन्हीं संतों में से एक संत थे संत कबीर जी। उन्होंने दोहों के रूप में इंसान को जो शिक्षाएं दी हैं, अगर इंसान उनका अनुसरण करता हुआ सांसारिक यात्रा पूरे करे तो वह जिंदगी में कभी भी न तो खुद दुखी हो सकता है और न ही अहंकारवश आकर अपने गलत कामों से दूसरों को परेशान करके दूसरों को दुखी कर सकता है।

- विवेक शुक्ला, धमतरी

ट्रेंड

प्रकृति के लिए समय

इस विश्व पर्यावरण दिवस पर आइए हम खुद को याद दिलाएं कि हम धरती मां की संतान हैं। यह हमारा समय प्रकृति को वापस देने का है जो हमेशा हमारी जरूरतों और मांगों को पूरा करती है।

-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

मानवता की भावना

हमें मानवता की भावना विकसित करने और हम सभी को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। हमें इनका ध्यान रखना चाहिए।

-दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

नौकरी के पीछे पड़े

हमारे मेडलों को 15-15 रुपये के बताने वाले अब हमारी नौकरी के पीछे पड़ गए हैं। हमारी ज़िंदगी दांव पर लगी हुई है, उसके आगे नौकरी तो बहुत छोटी चीज़ है। अगर नौकरी इंसाफ़ के रास्ते में आई तो त्यागने में हम दस सेकेंड नहीं लगाएंगे।

-बजरंग पुनिया, पहलवान

मेरी टीम इंडिया

विश्व कप क्रिकेट के लिए अगर मुझे भारतीय टीम का चयन करने के लिए कहा जाए तो मेरी टीम इंडिया कुछ खास होगी। इसमें रोहित शर्मा, शुभमन, पुजारा, विराट रहाणे, किशन, जडेजा, अश्विन/शार्दुल, शमी, उमेश और सिराज होंगे। मेरे हिसाब से ये अव्वल टीम होगी।

-इरफान पठान, पूर्व क्रिकेटर

करंट अफेयर

मोदी की यूएस यात्रा को लेकर भारतीय- अमेरिकी उत्साहित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा को लेकर भारतीय-अमेरिकियों में काफी उत्साह है और उन्हें उम्मीद है कि इस यात्रा से सुरक्षा सहयोग, रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित अंतरिक्ष के क्षेत्र में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून को अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे जिसे एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2016 में अमेरिकी सांसदों को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री मोदी के कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की उम्मीद है जिसमें व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बैठकें और कई सामुदायिक कार्यक्रम शामिल हैं। कई लोगों ने ऐतिहासिक राजकीय यात्रा का साक्षी बनने के लिए वाशिंगटन डीसी जाने की तैयारी पहले ही कर ली है। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में प्रधानमंत्री मोदी के औपचारिक स्वागत का गवाह बनने के लिए पूरे अमेरिका से समुदाय के पांच हजार से अधिक गणमान्य सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

ऑफ बीट

हमारी नींद के तरीके को बदल रही नई प्रौद्योगिकी

स्लीप ट्रैकर्स से लेकर जगाए रखने वाली दवाओं तक, 21वीं सदी में तरह तरह की नई प्रौद्योगिकियां हमारे सोने के तरीके को मौलिक रूप से बदल सकती है। इनमें से कई नई प्रौद्योगिकियां अनुकूलित नींद के सपने को पूरा करने की कोशिश करती हैं। वे हमारी नींद के कार्यक्रम को हमारे सामाजिक जीवन के अनुकूल बनाने में मदद करने का वादा करती हैं, हमें अधिक समय तक सोने में मदद करती हैं या एक रात की नींद पूरी तरह से छोड़ देती हैं। यहां बताया गया है कि कैसे तकनीक हमारी नींद में प्रवेश कर रही है, और भविष्य क्या है। अब जागने का समय है। नींद की गोलियों के साथ हाल ही में जागरुकता दवाओं की एक लहर आई है, जिन्हें कथित रूप से सुरक्षित और कैफीन के अधिक शक्तिशाली विकल्प के तौर पर पेश किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि यह उन लोगों पर सबसे अच्छा काम करते हैं, जिन्हें कम नींद आती है और उन लोगों पर इसका बहुत बड़ा प्रभाव नहीं है जो पूरी नींद लेते हैं। मोडाफिनिल को इसके अनुभूति बढ़ाने वाले प्रभावों (विशेष रूप से नींद से वंचित लोगों में) के लिए जाना जाता है और माना जाता है कि यह लोगों को एक समय में कई दिनों तक जगा और सतर्क रख सकता है।

पेपर लीक, भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा का 13 को जयपुर में हल्ला बोल

हिलव्य समाचार

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर सोमवार को पार्टी के महा जनसम्पर्क अभियान को लेकर जयपुर जिले के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में 13 जून को राजधानी जयपुर में प्रदेश की कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार, पेपर लीक जैसे मुद्दों पर घेरने के लिए जन आक्रोश रैली, सचिवालय घेराव और जनसभा करने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि राजस्थान की महाभ्रष्ट सरकार के खिलाफ 13 जून को एक मार्च होगा। इसमें जयपुर जिले के हजारों लोग हिस्सा लेंगे और सचिवालय का घेराव कर सरकार को ललकारेंगे। जोशी ने कहा कि साढ़े चार साल में राज्य सरकार में भ्रष्टाचार के अलावा कोई काम नहीं हुआ। यह सरकार राहत में भी भ्रष्टाचार करती है, चाहे कोई भी मंत्रालय हो। अब रीट के मामले में को लेकर नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं। चाहे पीएचईडी विभाग हो, माइनिंग हो, बच्चों के राशन को भी खाने का काम हो गया। इससे महाभ्रष्ट सरकार आजादी के बाद से आज तक नहीं देखी। जोशी ने घेराव में कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को अधिक से अधिक संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने जिला अध्यक्षों सहित प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से यात्रा की तैयारियों के संबंध में अलग-अलग फीडबैक व जानकारी भी ली।

राज्य सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि जीरो टोलरेंस की बात करने वाली सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रही है। केंद्र की जल जीवन मिशन योजना में भी कांग्रेस जमकर भ्रष्टाचार कर रही है। उन्होंने कहा कि आईटी सेक्टर में 3500 करोड़ के घोटाले पकड़े गए हैं, जिनका हवाला कैग के ऑडिट पैरा में भी दिया गया है। बैठक में जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा और मुकेश दाधीच, कालीचरण सराफ, नरपत सिंह राजवी, अशोक लाहोटी, समेत संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

सरकार का भ्रष्टाचार चरम

प्रदेश प्रवक्ता और विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि पीएम के नौ साल के कार्यकाल को लेकर यह बैठक बुलाई गई थी। राजस्थान कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार चरम पर है, उसे उजागर करना भी हमारा नैतिक दायित्व है, क्योंकि वह प्रतिपक्ष की भूमिका में है। आने वाले समय में पीएम के 9 साल के कार्यक्रम 30 जून तक चलेंगे। संसदीय सम्मेलन भी होंगे, प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन, व्यापारियों के सम्मेलन, सोशल मीडिया सम्मेलन भी किए जाएंगे। साथ ही 13 जून को जयपुर शहर, जयपुर शहर उत्तर और जयपुर शहर दक्षिण इन बीजेपी के तीन संगठनात्मक जिलों का कार्यक्रम में जन आक्रोश सभा भी होगी।

200 मिनी CM राजस्थान को लूट रहे: राठौड़

वहीं नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में भ्रष्टाचार को लेकर सरकार हमेशा घेरे में रही। 200 मिनी मुख्यमंत्री बनकर राजस्थान को लूट रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि हमने ग्राम चौपालों पर जाकर आमजन की नब्ज टटोली है, आम लोगों ने खुद यह माना है कि मौजूदा सरकार चोरों की सरकार है। आम लोगों ने खुद यह माना है कि मौजूदा सरकार चोरों की सरकार है। मुफ्त बिजली देने के मामले पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पहले तो फ्यूल सरचार्ज के नाम पर सरकार लूट करती है। सरकार अपने थर्मल पावर प्लांट बंद करके इंडोनेशिया से महंगा कोयला खरीद करती है। इसलिए भाजपा 13 जून को इसी भ्रष्टाचार को लेकर राजस्थान सरकार को घेरेगी।

मुख्यमंत्री ने किया कुकरखेड़ा व्यापार भवन का शिलान्यास

ईडी का ध्यान संजीवनी-आदर्श घोटाले पर क्यों नहीं: गहलोत

- रोलसाहबसर का सम्मान करता हूं, इसलिए लिया नाम
- मंडियों के व्यापार मंडलों को कार्यालय के लिए मिलेगी निशुल्क भूमि

हिलव्य समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को सीकर रोड स्थित कुकरखेड़ा व्यापार भवन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रदेश की सभी मंडियों के व्यापार मण्डल कार्यालयों के लिए निःशुल्क भूमि आवंटित करने की घोषणा की।

सीएम ने राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना तथा महात्मा ज्योतिबा फुले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के तहत सहायता राशि के चैक भेंट किए। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीएम गहलोत ने एक बार फिर शेखावत पर हमला बोला है।

सीएम ने पेपर लीक के मामलों में ईडी की कार्रवाई पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी का ध्यान संजीवनी घोटाले में क्यों नहीं जा रहा है। संजीवनी घोटाले में भी गरीबों के पैसे विदेश में लगे हुए हुए हैं, ऐसे में संजीवनी हो या आदर्श ऐसे घोटालों की जांच भी ईडी को करनी चाहिए।

गहलोत ने भगवान सिंह रोलसाहबसर का जिक्र करते हुए कहा कि मैं रोलसाहबसर का सम्मान करता हूं और उसी के नाते उनका नाम लिया था, रोलसाहबसर गरीबों के लिए काम करते हैं, इसलिए मैंने सोचा था कि उनके कहने से संजीवनी में फंसे गरीबों का भी हित हो जाएगा। गहलोत का यह बयान उस समय आया है, जब उनके आरोपों पर केंद्रीय मंत्री शेखावत के मानहानि मामले की सुनवाई करते हुए नई दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें समन देने पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में 24 जून को फैसला सुनाया जाएगा।

रिपीट होगी कांग्रेस सरकार

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ऐसे कदम उठा रही है, जिससे उम्मीद है कि साल 2030 तक राजस्थान नंबर वन स्टेट बनेगा। जिस तरह से हम बड़े-बड़े फैसले ले रहे हैं, उससे यह तो साफ है कि राजस्थान में सरकार रिपीट हो सकती है। लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप होती है और वो ही तय करती है कि किसको सरकार बनाने का मौका देना चाहिए।

लोगों को लड़वाना भाजपा का काम

गहलोत ने कहा कि हमनें करोड़ों के बजट से नंदी शालाएं खोली हैं और 2 गायों का 40-40 हजार का बीमा देने का काम किया है। हमने मंदिर विकास, पुजारियों के सहयोग के लिए कई काम किए हैं। भाजपा का काम ही लोगों को धर्म और जाति के नाम पर लड़वाना है। हम तो सबको साथ लेकर चलने वाली विचारधारा से हैं। हम विकास, अहिंसा की बात करते हैं। हम उन्हीं सिद्धांतों पर चल रहे हैं जो गांधी जी ने बताए थे।

कार्मिकों का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी

गहलोत ने मंगलवार शाम को प्रांतीय विद्युत मंडल मजदूर फैडरेशन राजस्थान (इंटक) के प्रधान कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने तकनीकी हैल्पर पद पर नियुक्त कार्मिकों के पदनाम योग्यता अनुसार टेक्निशियन प्रथम, द्वितीय और तृतीय करने के घोषणा की। साथ ही नवनिर्मित भवन पर एक विश्राम भवन बनाने के लिए 25 लाख रुपए की भी घोषणा की। गहलोत ने कहा कि राजकीय कार्मिकों का भविष्य सुरक्षित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसलिए मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) और राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (आरजीएचएस) लागू की गई है।

पुलिस ने बुजुर्ग महिला के ब्लाइंड मर्डर का 3 दिन में किया खुलासा

नशे की लत के चलते दो दोस्तों ने की हत्या, फिर लूट लिए गहने

हिलव्य समाचार

नागौर। जिले के मेड़ता शहर में बुजुर्ग महिला के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने तीन दिन में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी नरेंद्र मीणा ने बताया कि मेड़ता शहर के कोमल नगर निवासी छोटी देवी (65) पत्नी लिखमाराम सोनी की तीन दिन पहले हत्या कर दी गई थी।

पुलिस ने वारदात के 36 घंटे बाद आरोपी शिव कॉलोनी मेड़ता सिटी निवासी अनिल (29) और शीतला माता मंदिर के पास मेड़ता सिटी निवासी ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश (33) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों ने हत्या की वारदात करना कबूल किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं। दोनों आरोपी बुजुर्ग महिला के घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर ही रहते हैं। इसके चलते वे बुजुर्ग महिला के परिचित थे और कभी-कभार उसके घर भी आया-जाया करते थे। दोनों आरोपी आपस में दोस्त हैं और दोनों ने वारदात से करीब 15 दिन पहले ही महिला को मारकर सोने के गहने लूटने की साजिश रची थी। सीआई भजनलाल ने बताया कि दोनों युवक वारदात वाले दिन बुजुर्ग महिला के घर गए थे। तब तक महिला खाना खा चुकी थी। दोनों परिचित थे तो महिला ने दोनों को खाना भी परोसा था। इस दौरान घर में टीवी और कूलर चल रहे थे। इस बीच दोनों आरोपियों ने बुजुर्ग महिला का पहले तौलिए से गला घोंट दिया, फिर रसोई से चाकू लाकर उसका गला भी रेत दिया। इसके बाद दोनों महिला के गले में पहना 7 ग्राम सोने का मंगलसूत्र, 9 ग्राम सोने के झूमके, 140 ग्राम चांदी की पायजेब, 4 ग्राम सोने की अंगूठी लेकर चले गए। इस दौरान एक सोने का झूमका मौके पर ही गिर गया था।

आरोपियों ने महिला की हत्या के बाद की थी शराब पार्टी

मेड़ता रोड थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि आरोपी अनिल और ओमप्रकाश दोनों नशे के आदी हैं। दोनों कोई काम धंधा नहीं करते थे। नशे के लिए आरोपियों को पैसों की भी जरूरत थी। इसलिए बुजुर्ग महिला की हत्या की साजिश रची और फिर दोपहर के समय वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने वारदात के बाद शराब पार्टी भी की थी।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास - सबको आवास

योजना प्रारंभ दिनांक: 19 जून, 2023

जयपुर के प्रताप नगर में हल्दी घाटी मार्ग पर स्थित
देश के पहले कोचिंग हब में
निर्मित संस्थानिक सम्पत्तियों को अब तृतीय चरण में
इच्छानुसार पाने का सुनहरा मौका

"खुद चुनो-खुद खरीदो"

आकर्षक ब्याज दरों पर बैंक लोन उपलब्ध

सोमवार से बुधवार ऑनलाइन आवेदन करें

ऑनलाइन आवेदन
प्रत्येक
सोमवार प्रातः 10:00 बजे से
बुधवार सायं 4:00 बजे तक

'ओपन काउंटर सेल'
की तर्ज पर
तीसरे चरण का आवंटन

आवंटन का दिवस और समय
प्रत्येक
बुधवार को सायं 4:30 बजे

मनचाही निर्मित संस्थानिक सम्पत्ति का चयन करें
- मौका देखकर
- मंडल की वेबसाइट पर

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (सम्पत्तियों) का विवरण :-

क्र.सं.	निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण	उपलब्ध संख्या	सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट)	दर प्रति वर्गफीट	कीमत (रूपये में)
1(i)	Type-I (Ground & Ist Floor)	02	8025.56	4619.69	3,70,75,600
1(ii)	Type-I (Pair) (Ground & Ist Floor)	04	16051.12	4619.69	7,41,51,200
1(iii)	Type-I (2nd & 3rd Floor)	06	8025.56	4490.69	3,60,40,300
1(iv)	Type-I (Pair) (2nd & 3rd Floor)	02	16051.12	4490.69	7,20,80,600
2(i)	Type-II	11	4012.72	4233.86	1,69,89,300
2(ii)	Type-II (Pair)	06	8025.44	4233.86	3,39,78,600
3	Type-III	14	2808.79	4233.92	1,18,92,200
4	Type-IV	09	2409.91	4233.85	1,02,03,200
5	Type-V	14	2424.65	4233.84	1,02,65,600
6	Type-VI	05	1588.06	4233.90	67,23,700

नोटः- उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विधि व्यय पृथक से देय होंगे।

शर्तें एवं भुगतान प्रक्रिया: • पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रूपये (18%GST अतिरिक्त) • प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- (18% GST अतिरिक्त) • 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी। • शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी। • आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित सम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा। • आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी।

किसी सम्पत्ति के लिए एकल आवेदन आने पर बिना लॉटरी के एवं एक से अधिक आवेदन आने पर लॉटरी से आवंटन किया जाएगा।

संस्थानिक सम्पत्ति के चयन के लिए मौके पर स्थापित "हेल्प डेस्क" पर संपर्क करें

कोचिंग हब के प्रथम एवं द्वितीय चरण में 55 यूनिट्स कोचिंग संचालकों को आवंटित, शेष यूनिट्स के लिए आवेदन आमंत्रित हैं।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: **0141-2744688, 2740009** कार्यालय समय उपरान्त: **9461054291/92/319** एवं **9460254319,** शांतनु वार्ष्णेय **(9983131666),** पवन सोनी **(8852000770)** या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन **(9828363615)** से सम्पर्क करें

Rera Reg. No.: RAJ/P/2022/2068 | RERA Website: http://rera.rajasthan.gov.in

RHB वेबसाइट के लिए Scan करें

मौके की हेल्प डेस्क की लोकेशन के लिए Scan करें

राजस्थान संवाद

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट
www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।

जल जीवन मिशन के तहत 22,854 करोड़ से पूरी होगी परियोजना

पांच वृहद पेयजल परियोजनाओं पर 14,778 करोड़ खर्च करेगी सरकार

हिलव्य समाचार

जयपुर। जल जीवन मिशन के तहत हाल ही में स्वीकृत 22 हजार 854 करोड़ रुपए की पांच वृहद् पेयजल परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा खर्च की जाने वाली राशि करीब 60 प्रतिशत होगी। शेष 40 फीसदी पैसा केन्द्र सरकार द्वारा खर्च किया जाएगा। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के इन योजनाओं को भारत सरकार की योजना बताने के बयान के बाद राज्य सरकार ने आंकड़े जारी कर योजनाओं में खर्च किए जाने वाली राशि का ब्यौरा दिया है। स्वीकृत राशि 22,854 करोड़ में से 14 हजार 778 करोड़ रुपए राज्य सरकार द्वारा खर्च किए जाएंगे, जबकि 8 हजार 76 करोड़ रुपए केन्द्र खर्च करेगा। इन पांच परियोजनाओं से प्रदेश के 11 जिलों के 5739 गांवों के 15 लाख से अधिक घरों में हर घर जल कनेक्शन दिए जाएंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने मंगलवार को जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के कनेक्शन में सामुदायिक सहयोग की राशि राज्य सरकार ने वहन करने की घोषणा की थी। राज्य सरकार की इस घोषणा से ग्रामीण परिवारों को जल कनेक्शन के लिए कम्युनिटी कॉन्ट्रीब्यूशन नहीं देना पड़ेगा। बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति के साथ ही गर्मियों में पेयजल प्रबंधन की भी समीक्षा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना आधारित सीकर-झुंझुनूं परियोजना के लिए स्वीकृत कुल राशि 7,934 करोड़ रुपए में से राज्य सरकार की हिस्सा राशि 5610 करोड़ 41 लाख रुपए (71 प्रतिशत) एवं केन्द्र की हिस्सा राशि 2323 करोड़ 86 लाख (29 प्रतिशत) होगी। परियोजना के तहत सीकर जिले की धोंद, सीकर, खण्डेला आदि तहसीलों के 269 गांवों एवं 5 कस्बों 3 लाख 44 हजार 120 घरों में हर घर जल कनेक्शन दिए जाएंगे।

गहलोत ने दी 500 रुपए के गैस सिलेंडर की सौगात
14 लाख लाभार्थियों के खाते में डाली सब्सिडी राशि

ओपीएस और अन्य योजनाओं पर घेरा पीएम मोदी को

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी 'जिद' के कारण ही भाजपा को हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह दावा भी किया कि अभी और राज्यों में भाजपा की सरकारें जाएंगी, क्योंकि लोकतंत्र में किसी की जिद नहीं चलती। गहलोत यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के प्रथम चरण की शुरुआत के अवसर पर 'राज्य स्तरीय लाभार्थी उत्सव' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने एक बटन दबाया और 500 रुपए के रसोई गैस सिलेंडर के 14 लाख लाभार्थियों के बैंक खाते में लगभग 60 करोड़ रुपए की गैस सब्सिडी की राशि पहुंच गई।

उन्होंने राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के अपने फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने इतना बड़ा फैसला मानवीय दृष्टिकोण से पारित किया। उनका कहना था, 'ये जो स्वास्थ्य का अधिकार कानून (राइट टू हेल्थ) हमने पारित किया, भारत सरकार को चाहिए कि वह इसकी समीक्षा करवाए। प्रधानमंत्री मोदी को मैं इस मंच से कहना चाहूंगा कि लोकतंत्र में जिद का कोई स्थान नहीं होता है। प्रधानमंत्री जिद्दी हैं, वे एक बार जो सोच लेते हैं उसी पर अड़े रहते हैं।'

गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की प्रतिक्रिया के आधार पर यह देखना चाहिए कि जनता क्या चाहती है और उसी के अनुसार अपने दिमाग में बदलाव करते रहना चाहिए।

हिमाचल के पूर्व सीएम की बात भी नहीं सुनी प्रधानमंत्री ने

सीएम गहलोत ने प्रधानमंत्री के साथ हुई एक बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि बैठक में हिमाचल के तत्कालीन सीएम जयराम ठाकुर ने पीएम से राजस्थान सरकार के ओपीएस संबंधी फैसले का जिक्र किया था। उन्होंने तब पीएम को ठीक सलाह दी थी कि वह उन्हें भी राजस्थान के मुख्यमंत्री की तरह ओपीएस का फैसला करने दें, लेकिन प्रधानमंत्री ने कहा कि यह फैसला उचित नहीं है। गहलोत के अनुसार, 'मैंने उस समय कहा था... प्रधानमंत्री जी, आप जरा इसकी समीक्षा तो करवा लीजिए। इस पर पीएम ने कहा.. नहीं, नहीं मैं समीक्षा करवा चुका हूं।' गहलोत ने कहा, 'प्रधानमंत्री जिद पर अड़े रहे, जिद्दी हैं। आज देख लीजिए कि वो जिद क्या काम आई ... सरकार चली गई हिमाचल और कर्नाटक में। अब एक के बाद एक और सरकारें जाएंगी। लोकतंत्र में जिद किसी की नहीं चलती। लोकतंत्र में घमंड किसी का नहीं चलता।'

भाजपा के पास राजस्थान में कहने को कुछ नहीं

राजस्थान में मुख्य विपक्षी भाजपा पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि पार्टी की स्थिति "चिंताजनक" है, क्योंकि राज्य सरकार के कामों के कारण पार्टी के पास सरकार के खिलाफ कहने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं और कार्यक्रम चुनावी घोषणाएं नहीं, बल्कि स्थाई हैं और आगे भी जारी रहेंगी। इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के तहत राज्य सरकार का लक्ष्य इस योजना के तहत 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर मुहैया करवाना है।

स्मार्टफोन महिला सशक्तीकरण का एक माध्यम

गहलोत ने कहा कि जल्द ही महिलाओं को 3 वर्ष की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्टफोन उपलब्ध करवाने की शुरुआत होगी। यह भी महिलाओं के सशक्तीकरण का एक माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जमाना बदल गया है। महिलाओं को संकोच छोड़कर माहवारी सम्बन्धी समस्याओं पर चर्चा करनी चाहिए। लाभार्थी उत्सव में इस अवसर पर जलदाय मंत्री महेश जोशी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं लाभार्थी वर्चुअल एवं अन्य माध्यम से उपस्थित रहे।

'रेवड़ी' बांटने की बात का दिया जवाब: इस दौरान मंच से सीएम गहलोत ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को मुखिया बनाकर जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से जनता का पैसा राहत के रूप में जनता पर ही खर्च किया जा रहा है। यह 'रेवड़ी' न होकर जनसेवा के कार्य हैं। सरकार की इन योजनाओं से जो बचत होगी, उसे लाभार्थी परिवार अपने बच्चों के भविष्य को संवारने, उनकी पढ़ाई तथा अन्य भरण-पोषण पर खर्च कर सकेंगे।

एक नज़र

30 आईपीएस, सात आईएएस के तबादले

गौरव अग्रवाल को मिली पोस्टिंग कानाराम लगे निदेशक माध्यमिक शिक्षा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार सुबह आदेश जारी कर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी दो सूचियों में 30 आईपीएस, 7 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। वहीं दो आईएएस और तीन आईपीएस को अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। खास बात यह रही कि हाल ही में पेपर लीक के आरोपी शेरसिंह को पदोन्नति देने के मामले में एपीओ किए गए आईएएस गौरव अग्रवाल को कृषि और पंचायती राज विभाग में आयुक्त के पद पर पोस्टिंग दे दी गई है। वहीं, आईएएस कानाराम को निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर का जिम्मा दिया।

इन आईएएस को मिला यह जिम्मा

कानाराम को निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर, एमएल चौहान को अति. महानिदेशक एचसीएम रीपा उदयपुर, पुष्पा सत्यानी को निदेशक राजस्थान राज्य कृषि विपणन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव एवं प्रशासक कृषि विपणन बोर्ड जयपुर, गौरव अग्रवाल को आयुक्त कृषि एवं पंचायती राज विभाग जयपुर, उत्सव कौशल को आयुक्त नगर निगम जोधपुर दक्षिण, देवेंद्र कुमार को आयुक्त जोधपुर विकास प्राधिकरण, अक्षय गोदारा को संयुक्त शासन सचिव कार्मिक विभाग, विकास सीताराम भाले को प्रमुख शासन सचिव पशुपालन मत्स्य एवं गोपालन विभाग का अतिरिक्त कार्यभार और रेणु जयपाल को आयुक्त महिला अधिकारिता विभाग में पंचायती राज विभाग का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया हैं। सूची में कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव देवेन्द्र कुमार का भी नाम हैं। दिलचस्प यह है कि सूची उन्होंने ही जारी की है।

आठ पुलिस अधीक्षक बदले: विकास शर्मा एसपी भिवाड़ी-अलवर, भुवन भूषण यादव एसपी उदयपुर, ममता गुप्ता एसपी करौली, श्याम सिंह एसपी झुंझुनूं, नारायण टोगस एसपी एसओजी जयपुर, अनिल कुमार एसपी साइबर क्राइम राजस्थान जयपुर, मोनिका सेन एसपी जालोर, मृदुल कच्छावा एसपी भरतपुर, विकास सांगवान एसपी जैसलमेर तथा ज्येष्ठा मैत्रयी एसपी सिरोही लगाया गया है। वहीं, डॉ. किरण कैंग सिद्धू कमांडेंट 11वीं बटालियन आरएसी दिल्ली लगाया गया है।

राहुल प्रकाश लगे डीआईजी भरतपुर रेंज

30 आईपीएस की सूची में कुल आठ जिलों के एसपी बदले गए हैं। वहीं, 3 डीजी, 5 एडीजी को इधर-उधर किया गया है। इनमें आईपीएस राजीव कुमार शर्मा को डीजी कानून एवं व्यवस्था आरएसी एवं एसडीआरएफ, श्रीनिवास राव, डीजी पुलिस प्रशिक्षण कम्युनिटी पुलिसिंग एवं मानव अधिकार, रवि प्रकाश मेहरड़ा डीजी एससीआरबी एवं साइबर क्राइम तकनीकी सेवाएं, संजय अग्रवाल एडीजी पुलिस मुख्यालय जयपुर, अनिता पालीवाल एडीजी पुलिस रेलवेज राजस्थान जयपुर, विनीता ठाकुर एडीजी पुलिस हाउसिंग जयपुर, सचिन मित्तल एडीजी भर्ती और पदोन्नति बोर्ड राजस्थान जयपुर, पी. रामजी एडीजी पुलिस एवं निदेशक पुलिस एकेडमी जयपुर, रूपिंदर सिंह आईजीपी आरएसी जयपुर, लता मनोज कुमार आईजी अजमेर रेंज, गौरव श्रीवास्तव को आईजी पुलिस क्राइम-II जयपुर, राहुल प्रकाश डीआईजी भरतपुर रेंज और डॉ. रवि डीआईजी एसीबी जयपुर लगाए गए हैं। इसी तरह, रणधीर सिंह डीआईजी एसीबी जयपुर, हरेंद्र कुमार महावर डीआईजी एसीबी जोधपुर, राहुल कोटोकी डीआईजी पुलिस ट्रेनिंग जयपुर, कल्याण मल मीणा, डीआईजी पुलिस एसीबी कोटा, सुनील कुमार विश्नोई डीआईजी पुलिस क्राइम जयपुर और मनीष अग्रवाल-II डीआईजी पुलिस एसओजी जयपुर होंगे। संजीव कुमार नर्जरी को एडीजी पुलिस कार्मिक राजस्थान जयपुर, रूपिंदर सिंघ को आईजीपी सिक्योरिटी जयपुर और आईजीपी ह्यूमन राइट्स पुलिस मुख्यालय जयपुर और किशन सहाय मीणा को आईजीपी ट्रेनिंग जयपुर के पद का एडिशनल चार्ज सौंपा गया हैं।

नारकोटिक्स ब्यूरो का छापा: तस्कर फरार, तलाश में जुटी पुलिस

दीवार में छिपा कर रखी गई ढाई करोड़ की अफीम जब्त

हिलव्यू समाचार
चित्तौड़गढ़। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो चित्तौड़गढ़ और कोटा की टीम ने गुरुवार को जिले के कनेरा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान टीम ने एक मकान में छापेमारी कर अलमारी के अंदर दीवार में और बाड़े से करीब ढाई करोड़ रुपए का मादक पदार्थ बरामद किया।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम को कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों के विरोध का सामना भी करना पड़ा। टीम ने जिसके यहां छापेमारी की, उसका क्षेत्र में विशेष प्रभाव है। इसके चलते टीम को रोकने के लिए भारी संख्या में उसके समर्थक व ग्रामीण मौके पर आ गए। आखिरकार टीम को स्थानीय पुलिस की मदद लेनी पड़ी। दरअसल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कोटा और चित्तौड़गढ़ की टीम ने गुरुवार को संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से करीब ढाई करोड़ रुपए का अफीम और डोडा चूरा पकड़ा।

यह कार्रवाई केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कोटा के उप नारकोटिक्स आयुक्त डॉ. संजय मीणा के निर्देशन में किया गया। छापेमारी के दौरान मौके से मादक पदार्थ के अलावा नकद 2 लाख 50 हजार रुपए बरामद हुए थे।

मौके पर मिली 100 किलोग्राम अफीम

कोटा के सहायक नारकोटिक्स आयुक्त विजय सिंह मीणा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बांगेड़ा घाटा गांव में देवीलाल पुत्र नानालाल धाकड़ के मकान और बाड़े की घेराबंदी की गई। अंदर जाने के बाद मकान की तलाशी ली। मकान की दूसरी मंजिल पर एक कमरा बना हुआ था, जिसकी दीवार पर अलमारी थी। अलमारी में ही आरोपी ने एक गुप्त चेंबर बना रखा था, उसमें 42 थैलियां रखी हुई थीं, जिसमें अफीम भरी थी। तौल करने पर उसमें 100 किलो 100 ग्राम अफीम पाई गई।

पिकअप में मिला 70 किलो डोडाचूरा

टीम ने मिलकर लगभग 500 मीटर की दूरी पर बने बाड़े की भी तलाशी ली। जहां से एक पिकअप गाड़ी में 12 क्विंटल 70 किलो डोडाचूरा मिला। घर से जब्त अफीम के डाक्यूमेंट्स भी मिले। इसके अलावा लेन-देन के भी कई डाक्यूमेंट्स मिले जिनकी जांच की जा रही है। आरोपी देवीलाल को ढूंढने के लिए एक अलग से टीम का गठन किया गया। देवीलाल की लगातार तलाश भी की जा रही है। बताया जा रहा है कि देवीलाल पहले भी सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ा था लेकिन उसको हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह अफीम का मुखिया भी रह चुका है और उसका खुद का भी अफीम का पट्टा है।

मंत्रिमंडल का फैसला

25 वर्ष के सेवाकाल पर अब मिलेगी पूरी पेंशन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य कार्मिकों को एक बार फिर से बड़ा तोहफा देते हुए 25 वर्ष के सेवाकाल पर पूरी पेंशन और स्पेशल-पे में वृद्धि करने का फैसला लिया है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे कार्मिक को 28 वर्ष की सेवा के स्थान पर 25 वर्ष की सेवा पूरा कर सेवानिवृत्त होने पर ही पूरी पेंशन का लाभ प्राप्त हो सकेगा। साथ ही, 75 वर्ष के पेंशनर व पारिवारिक पेंशनर को 10 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता प्राप्त हो सकेगा। कार्मिक व पेंशनर की मृत्यु की दशा में उसके विवाहित निशक्त पुत्र या पुत्री और 12,500 रुपए प्रतिमाह तक की आय वाले पात्र सदस्यों को भी पारिवारिक पेंशन का लाभ प्राप्त हो सकेगा। इस संशोधन की अधिसूचना 1 अप्रैल, 2023 से प्रभावी होगी। मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे कार्मिकों के विशेष वेतन (स्पेशल-पे) में वृद्धि होगी। मंत्रिमंडल ने अब किसी भर्ती वर्ष में पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में इनकी रिक्तियां अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की तरह आगामी तीन वर्षों तक अग्रेषित करने का निर्णय लिया है। इससे इन वर्गों के अभ्यर्थियों को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हो सकेंगे। राजनीतिक तौर पर इसकी लगातार मांग की जा रही थी।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को मिलेगा अग्रिम वेतन वृद्धियों का पूर्ण लाभ

मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 की अनुसूची-5 में संशोधन करते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा होने पर अग्रिम वेतन वृद्धियों का पूरा लाभ देने का निर्णय किया है। मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान अभियोजन सेवा (संशोधन) नियम, 2023 का अनुमोदन करते हुए अभियोजन सेवा के अधिकारियों को एक अतिरिक्त पदोन्नति का अवसर देने का निर्णय किया है। इसके तहत संयुक्त निदेशक अभियोजन का एक नए पद सृजित और अतिरिक्त निदेशक के पद का पे-लेवल सं-20 से सं-21 किया गया है। मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतनमान) नियम- 1989, 1998, 2008 और 2017 में संशोधन कर कार्यप्रभारित कार्मिकों को नियमित कार्मिकों की तर्ज पर वेतनमान एवं पदनाम देने का निर्णय किया है।

राज्य चुनाव आयोगों का सम्मेलन

चुनाव में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान: राज्यपाल कलराज मिश्र

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में आमजन के विश्वास को मजबूत करने में निर्वाचन आयोगों की प्रभावी भूमिका है। उन्होंने मतदान के प्रति लोगों को जागरूक कर चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित किए जाने का आह्वान किया है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को माउंट आबू स्थित आंतरिक सुरक्षा अकादमी कॉन्फ्रेंस हॉल में 'सुदृढ़ लोकतंत्र में राज्य चुनाव आयोगों की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वही लोकतांत्रिक

संस्थाएं सुदृढ़ होती हैं जहां नागरिकों की अधिकाधिक सहभागिता होती है और स्वतंत्र, निष्पक्ष चुनाव ही इसका आधार है। उन्होंने कहा कि चुनाव कराने की प्रक्रिया जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्व मतदान में अधिकाधिक भागीदारी का भी है।

उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने और सजग एवं जिम्मेदार नागरिकों को चुनाव लड़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करने की दिशा में भी कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों और शक्तियों का समुचित उपयोग करते हुए पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों की चुनाव प्रक्रिया का प्रभावी संचालन कर निर्वाचन आयोग लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश की राज्य निर्वाचन आयुक्त नीलम साहनी ने कहा कि राज्य चुनाव आयोगों के बेहतर प्रबंधन पर विचार-विमर्श की दृष्टि से यह सम्मेलन महत्वपूर्ण साबित होगा।

सम्मेलन में राज्य निर्वाचन आयोग के पूर्ण स्वतंत्र और समेकित बजट, आईटी के प्रभावी उपयोग, मतदाता जागरूकता के लिए नवाचार आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया। सम्मेलन में महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त उरविन्दर पाल सिंह मदान सहित विभिन्न राज्यों के चुनाव आयुक्त, सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी 'आप'

हिलव्यू समाचार
जयपुर। आम आदमी पार्टी (आप) प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चुनाव को लेकर पार्टी की ओर से तैयारियां जारी हैं।

इधर 18 जून को श्रीगंगानगर में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पदाधिकारियों को शपथ दिलाने आएंगे। ये बातें मंगलवार को राजस्थान के सह-प्रभारी और दिल्ली के महरौली से विधायक नरेश यादव ने प्रेस वार्ता कर कहीं। यादव ने कहा कि जयपुर, दौसा, सीकर, झुंझुनूं और अलवर जिले में संगठन को मजबूत करने का कार्य जारी है, इसके साथ ही इन जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। पार्टी की ओर से संगठन विस्तार के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। यादव ने बताया कि पिछले दिनों जयपुर में संगठन के 5 हजार से ज्यादा पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई गई थी।

सहेली

क्या करें जब आपका लाइफ पार्टनर हो इंट्रोवर्ट

कुछ पत्नियों को अपने पति से शिकायत होती है कि वे ज्यादा बोलते-चालते नहीं, आसानी से लोगों में मिक्सअप नहीं होते। हंसी-मजाक तो बहुत दूर की बात है। इस तरह के इंट्रोवर्ट स्वभाव को लेकर पत्नियों की शिकायत गलत भी नहीं कही जा सकती, लेकिन वे अपने पति को सही ढंग से ट्रीट करें और कुछ बातें अमल में लाएं तो उनके पति इंट्रोवर्ट से एक्सट्रोवर्ट हो सकते हैं।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

उस दिन सुगंधा बड़े उदास स्वर में अपनी जेठानी मानसी से बोली, 'सबके पति इतना हंसते-बोलते हैं, मजाक करते हैं। एक हमारे ये हैं, जो हमेशा गुमसुम बैठे रहते हैं। कभी हंसी-मजाक नहीं करते। किसी के शादी-ब्याह में जाएंगे तो दूर किसी कोने में अकेले जा बैठेंगे। कभी किसी रिश्तेदार से भी बात नहीं करते, मुझसे भी बस काम भर की बातें करते हैं।' अपनी बात कहते-कहते सुगंधा की आंखें भर आई थीं।

मानसी ने उसे समझाया, 'अरे छोटी, सब इंसान एक जैसे नहीं होते हैं। ज्यादातर कपल्स में ऐसा ही होता है कि पति या पत्नी दोनों में से एक बातूनी होता है, दूसरा कम बोलता है। वैसे भी इंट्रोवर्ट होना कोई बुराई नहीं है। बस तुम्हें अपने पति को जरा अलग ढंग से ट्रीट करना पड़ेगा।' इसके बाद मानसी ने सुगंधा को अपनी पति के स्वभाव में बदलाव लाने के लिए कुछ बातें बताईं। आप भी यदि अपने पति के इंट्रोवर्ट नेचर से दुखी-परेशान हैं, तो मानसी की सलाह अमल में ला सकती हैं।

उन्हें उनकी तरह स्वीकार करें

ज्यादातर लोग यही समझते हैं कि इंट्रोवर्ट लोगों में सोशल रिलेशन रखने में रुचि नहीं होती। ऐसे में जब कोई उन्हें जबरदस्ती एक्सट्रोवर्ट बनाने की कोशिश करता है तो वे मानसिक तनाव में आ जाते हैं और अपने एक्सट्रोवर्ट पार्टनर से चिढ़ने लगते हैं या फिर दूर रहने की कोशिश करते हैं। द रिलेशनशिप फर्म, टैक्सास, अमेरिका की रिलेशनशिप कोच स्टैफेनी मैकेंजी ऐसे मामले में सलाह देते हैं, 'ऐसे में बेहतर यही होगा कि आप अपने पार्टनर को उनके स्वभाव के साथ एक्सेप्ट करें, उन्हें सहज रहने दें। इससे वे भी कुछ हद तक धीरे-धीरे खुद आपके रंग में ढलने लगेंगे।'

उनसे सार्थक संवाद करें

अगर आपको पार्टनर से बातचीत करनी है तो ऐसी बातें या छोटे सवाल ना करें, जिनका संक्षिप्त जवाब हो। जैसे कि आप पूछेंगी, 'आज का दिन कैसा रहा', तो वह कह देंगे, 'ठीक रहा।' इतने संक्षिप्त उत्तर से आपको निराशा होगी। ऐसे में साइकोलॉजिस्ट एशले पापा का कहना है, 'पार्टनर के द्वारा विस्तृत बातचीत न करने पर आपको नाराज होकर उन्हें झिड़कना नहीं चाहिए। आपको उनसे ओपन एंडेड सवाल पूछने चाहिए और किसी स्पेशल टॉपिक पर बात करते हुए सवाल करने चाहिए। तब वे खुलकर विस्तार से सारी बातें बताएंगे और आपसे अच्छी-खासी बातचीत भी करेंगे।'

तुलना करके उनको अपमानित ना करें

कभी भी अपने पार्टनर को दूसरे बहिर्मुखी लोगों का उदाहरण देकर अपमानित ना करें। मैरिज काउंसलर एबियर क्लार्कडन आगाह करती हैं, 'तुलनाएं विवाह को समाप्त कर देती हैं। पार्टनर इंट्रोवर्ट है तो उसका रातों-रात बदलने या दूसरों की तरह बिहेव करने की उम्मीद कतई ना करें।' आपके पार्टनर में पॉजिटिव बदलाव आए, इसके लिए रिलेशनशिप एक्सपर्ट ओमोसोलेप ओलाडापो (लागोस) का सुझाव है, 'आपको परिवार के महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनसे राय लेनी चाहिए। सामाजिक मुद्दों पर उनसे विमर्श करना चाहिए और उन्हें अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे उनमें पॉजिटिव बदलाव आएगा।'

उन्हें एकांत में रहने दें

इंट्रोवर्ट लोग भीड़भाड़ या अजनबियों के बीच अपने आपको सहज महसूस नहीं करते। ऐसे में उन्हें जबरन भीड़ में ले जाने की कोशिश ना करें। ऐसे लोगों के बारे में रिलेशनशिप कोच आलिशा किरचोफ की सलाह है, 'उनकी इच्छा हो तो उन्हें एकांत में रहने का मौका दें। भीड़ में वे थक से जाते हैं। एकांत उन्हें सुकून देता है, रिचार्ज करता है। जब वे सहज महसूस करेंगे तो खुद ही आपके साथ या लोगों में शामिल हो जाएंगे। आप यह भी जान लें, भले ही आपके पति पार्टी में जाने को इच्छुक ना रहते हों, बातूनी ना हों लेकिन आपके प्रति उनके प्यार में कोई कमी नहीं रहती।'

उनकी पसंदीदा गैदरिंग करें

माना कि आपका पार्टनर कम बोलता है और सोशल गैदरिंग्स, बड़ी पार्टियों या मैरिज फंक्शन में लोगों से घुलमिल कर बात नहीं कर पाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उसे लोग पसंद नहीं हैं। आप उन्हें उनके हाल पर छोड़कर देंखे। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर रोज हाना कहती हैं, 'इंट्रोवर्ट लोग अपने परिचितों, फैमिली मेंबर्स और दोस्तों के बीच सहज महसूस करते हैं और अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए बातचीत भी करते हैं। ऐसे में आपको समय-समय पर बेहद नजदीकी लोगों की छोटी गैदरिंग्स अरेंज करनी चाहिए। जैसे किसी फैमिली मेंबर के अचीवमेंट, बर्थ-डे पार्टी या मैरिज एनिवर्सरी के बहाने किसी रेस्तरां में या घर पर दोस्तों, नजदीकी, रिश्तेदारों को बुलाएं और उनसे खूब बातें करने का मौका दें।'

इन सभी बातों पर अगर आप ध्यान देंगी तो आपके पति के इंट्रोवर्ट होने की शिकायत दूर हो जाएगी, वह देखते-देखते एक्सट्रोवर्ट हो जाएंगे।

मुश्किल नहीं है हैप्पी मैरिड लाइफ

आज के दौर में नई पीढ़ी ने जो जीवनशैली अपना रखी है, इसके बीच वैवाहिक जीवन का निर्वाह आसान नहीं है। पति-पत्नी छोटे-छोटे ऐसे विवादों में उलझकर तनावग्रस्त रहते हैं, जो आसानी से सुलझाए जा सकते हैं, अपना दांपत्य-जीवन खुशहाल जिया जा सकता है।

एडवाइस / पूर्ति वैभव खरे

आज की आजाद ख्याल नई पीढ़ी शादी को ज्यादा इंपॉर्टेंस देने की जरूरत महसूस नहीं करती। वह रोज-रोज के छोटे-छोटे मनमुटाव, आपसी कलह से अपनी मैरिज लाइफ को पेंचीदा बना लेती है, जबकि थोड़ी समझदारी और प्यार से यह रिश्ता लंबा, प्यारा बनाया जा सकता है। आइए, समझते हैं कि वे कौन-सी बातें है, जो आपके वैवाहिक रिश्ते को खुशहाल और टिकाऊ बना सकती हैं-

छोटी-छोटी बातों को बड़ा न बनने दें : दांपत्य जीवन में पति-पत्नी दोनों के लिए एक-दूसरे का प्यार भरा साथ बहुत अहम होता है। विवाह सूत्र में बंधने के बाद दो व्यक्ति जीवन भर साथ रहने का वादा करते हैं। कभी यह रिश्ता खुशी-खुशी आगे बढ़ता है तो कभी कई वैचारिक मतभेदों के चलते कमजोर पड़ जाता है। सर्वे बताते हैं कि पहले की अपेक्षा अब वैवाहिक संबंध जल्दी टूट रहे हैं। अब लोगों का मानना है कि अगर शादी के बाद दोनों एक साथ खुश नहीं हैं या उनमें बहुत ज्यादा वैचारिक मतभेद हैं तो जबरदस्ती रिश्ते को ढोते रहने का कोई औचित्य नहीं है। लेकिन इस तरह छोटी-छोटी बातों से मनमुटाव और संबंध-विच्छेद कर लेना ठीक नहीं है। अपने मनमुटाव बैठकर शांत मन से सुलझाए भी जा सकते हैं।

एक-दूजे के सपनों को अपना समझें : शादी के दौरान केवल दो व्यक्ति एक नहीं होते, उनके सपने भी एक होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के सपनों को अपना मानकर चलें। पति-पत्नी एक-दूजे की मदद करें, आप दोनों का यह आपसी सहयोग आपके सपनों को साकार करने में सहायक तो होगा ही, आप दोनों के रिश्ते को मजबूती देगा।

एक-दूसरे के काम का करें सम्मान : आज ज्यादातर पति-पत्नी कामकाजी होते हैं। यदि आप दोनों के कार्यक्षेत्र अलग-अलग हैं तो यह भी तय है कि आपके काम करने का समय और काम करने के तरीके भी अलग होंगे। ऐसे में कभी-कभी आप दोनों के विचार अलग हो सकते हैं, जिनमें आपसी सामंजस्य बैठाना होगा। आपका लाइफ पार्टनर छोटा या बड़ा, जो भी काम करता है, आपको हर स्थिति में उसके काम का सम्मान करना चाहिए।

घर के काम मिलजुल कर करें : आज यह सोच बदल चुकी है कि घर का काम करना सरल और बाहर का काम करना कठिन है। इस सोच को भी लगभग खारिज किया जा चुका है कि घर के काम केवल महिलाओं के हिस्से में होते हैं। आज जहां महिलाएं घर से इतर हर क्षेत्र में खुद को साबित कर रही हैं, वहीं पुरुष भी घर को संभालने में झिझक नहीं रहे हैं। अब पति-पत्नी दोनों मिलकर घर के काम करते हैं। अगर हमारी यह नई सोच और विकसित होगी तो निश्चित तौर पर पति-पत्नी के रिश्ते और मधुर बनेंगे।

एक-दूसरे के परिवार के लिए गलत न बोलें: पति-पत्नी दोनों के लिए अपना परिवार मायने रखता है। ऐसे में पत्नी को पति के परिवार को लेकर या पति को पत्नी के किसी फैमिली मेंबर्स को लेकर कुछ गलत नहीं बोलना चाहिए। क्योंकि दांपत्य रिश्ता केवल आप दोनों का नहीं है, आप दोनों के परिवारों का भी एक प्रगाढ़ रिश्ता है। आपके रिश्ते अच्छे रहें, इसलिए आप एक-दूसरे के परिवार के सदस्यों के प्रति भी अच्छे विचार रखते हुए, उनके लिए हमेशा अच्छा बोलें।

अपने रिश्ते को भी पर्याप्त समय दें: पति-पत्नी यह बिल्कुल न भूलें कि उनके रिश्तों का आधार प्यार और विश्वास है। दांपत्य के इस रिश्ते में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण आप दोनों ही हैं। इसलिए एक-दूसरे के लिए वक्त जरूर निकालें। हो सके तो सुबह की चाय या शाम का खाना साथ में खाएं। ऐसा करने से आप दोनों एक-दूसरे को समय दे पाएंगे, दांपत्य रिश्ते में मिठास घुली रहेगी।

अगर आप इन बातों का ख्याल रखेंगे तो आपकी शादीशुदा जिंदगी खुशहाल बनी रहेगी। दांपत्य रिश्ते को भरपूर समय और प्यार दें। क्योंकि जीवनसाथी से ज्यादा अहम कुछ भी नहीं है। यह हम समझ लें, इस रिश्ते को मधुर बनाए रखना इतना मुश्किल नहीं है।

हेयर केयर / निधि गोयल

यूज करें होममेड पैक-मास्क
बाल बनेंगे सॉफ्ट-ब्राइट

हर महिला चाहती है कि उसके बाल लंबे, घने और चमकदार हों। लेकिन बिजी लाइफ और टाइम की कमी के कारण वे अपने बालों पर जरूरी ध्यान नहीं दे पाती हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर में मौजूद कुछ चीजों से ही बालों के लिए मास्क या पैक बनाकर बालों पर लगा सकती हैं। इससे आपके बाल हेल्दी, ब्राइट और सॉफ्ट बनेंगे। आप पार्लर जाने से बच जाएंगी और आपको एक्स्ट्रा टाइम नहीं निकालना पड़ेगा। हम आपको यहां बता रहे हैं कुछ ईजिली बनने वाले हेयर मास्क के बारे में-

नारियल तेल-नीबू पैक: नारियल तेल बालों के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप इसमें नीबू के रस की कुछ बूंदें मिला लें तो यह और भी फायदेमंद साबित होता है। इस मिश्रण को लगाने से बालों में डैंड्रफ खत्म हो जाती है, साथ ही रूखे बालों में चमक आ जाती है। इसके लिए आप नारियल के तेल में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिला लें। फिर इसे बालों में लगा लें। एक घंटे के बाद बालों को धो लें। बाल मुलायम-चमकदारनजर आएंगे।

दूध-शहद हेयर मास्क : बालों को मुलायम और चमकदार बनाने में शहद कंडीशनर की तरह कार्य कर हेल्प करता है। शहद काफी गाढ़ा होता है, इसलिए इसे बालों पर सीधे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगी। ऐसे में आप इसे दूध में मिला लें। यह एक पैक की तरह बन जाएगा और पूरे बालों में अच्छी तरह फैल जाएगा। इसे बनाने के लिए आप एक चौथाई कटोरी दूध लेकर उसमें दो बड़े चम्मच शहद मिला लें। फिर इसे ब्रश की सहायता से पूरे सिर में लगा लें। आधे घंटे बाद बालों को साफ पानी से धो लें। यह पैक आपके बालों की कंडीशनिंग कर देगा और आपके बाल चमकदार नजर आने लगेंगे।

मेहंदी-दही पैक : क्या आपको पता है कि मेहंदी भी कंडीशनर की तरह कार्य करती है? इसे लगाने के लिए आप मेहंदी को एक दिन पहले लोहे की कड़ाही में भिगो दें। मेहंदी में आप अच्छे रंग और शाइन के लिए चाय की पत्ती के पानी को उबालकर डालें। इसे पूरे रात भिगोए रखें और अगले दिन इस मेहंदी को लगाने से पहले इसमें दही को मिला लें। फिर इसे बालों में लगाएं और एक घंटे बाद बालों को धो लें। आपके बाल चमकदार और मुलायम हो जाएंगे।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस

डॉ. श्वेता गुप्ता
सीनियर कंसल्टेंट-रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड आईवीएफ

इनफर्टिलिटी की किसी प्रॉब्लम के कारण अगर आप मां नहीं बन पा रही हैं तो बिना देर किए आइवीएफ ट्रीटमेंट के बारे में कंसल्ट करना चाहिए। इस टेक्नीक प्रोसेस के बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं आपको।

मां बनने से वंचित महिलाएं
ले सकती हैं आईवीएफ ट्रीटमेंट

शादी के बाद हर कपल का सपना होता है कि उनके घर में भी बच्चे की किलकारियां गूंजें। अधिकतर लोगों को यह खुशी समय रहते प्राप्त हो जाती है लेकिन कुछ कपल्स इससे वर्षों वंचित रहते हैं। आंकड़े के अनुसार हाल के वर्षों में इनफर्टिलिटी यानी बांझपन की समस्या 10 से 15% तक कपल्स में देखी जा रही है। इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे-कोई ऐसा शारीरिक रोग जिससे फर्टिलिटी प्रभावित हो सकती है, अधिक उम्र में शादी करने से फर्टिलिटी क्षमता वीक होती है, या फिर बदलती और अस्त-व्यस्त जीवनशैली। ऐसे में आईवीएफ ट्रीटमेंट उन कपल्स के लिए वरदान साबित हो रहा है, जो इस सुख से वंचित हैं।

ट्रीटमेंट लेने में न करें देर: जो महिला किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से कंसीव नहीं कर पाती है तो वह आईवीएफ की मदद से मां बनने का सुख प्राप्त कर सकती है। हालांकि आज भी हमारे देश में लोग आइवीएफ का सहारा लेकर संतान प्राप्ति का सुख पाने से कतराते हैं। क्योंकि कई बार परिवार वालों की रजामंदी ना मिलना, पूरी प्रिक्रिया में अधिक पैसा खर्च होना, और प्रक्रिया के फेल होने का भय लोगों के मन में हिचक पैदा करता है। ऐसे मे जरूरी है कि कपल को पूरी प्रक्रिया के बारे में सही जानकारी हो, जिससे वे समय रहते इलाज करा सकें।

क्या है आईवीएफ: आईवीएफ का मतलब इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन या टेस्ट ट्यूब बेबी है। इसके जरिए बांझपन या अन्य आनुवांशिक समस्याओं का इलाज किया जाता है। इनफर्टिलिटी की समस्या सिर्फ महिलाओं में ही हो ऐसा नहीं हैं, कई बार यह समस्या पुरुषों में भी होती है।

महिलाओं में इनफर्टिलिटी : एक भ्रूण विकास के लिए अंडों का निकलकर शुक्राणुओं के साथ मिलकर निषेचित होना जरूरी होता है। भ्रूण बनने के बाद यदि सफलतापूर्वक गर्भाशय में चला जाता है, तो गर्भधारण हो जाता है लेकिन अगर इस प्रक्रिया में किसी तरह की समस्या आए तो गर्भधारण नहीं हो पाता। इसके कई कारण हैं जैसे-ऑव्युलेशन डिसऑर्डर के समय अंडे बनने में समस्या होना, यूटेराइन टिशू जब यूटेरस के बाहर प्रत्यारोपित हो जाए तो एंडोमेट्रिओसिस की समस्या का होना, यूटेरस वॉल में ट्यूमर होने से फाइब्रॉइड की समस्या होना, गर्भाशय या फैलोपियन ट्यूब में ब्लॉकेज होना। ऐसी किसी भी कंडीशन में आईवीएफ ट्रीटमेंट कारगर सिद्ध हो सकती है। कुछ केसेस में आईवीएफ द्वारा निषेचित अंडे को सीधा महिला के गर्भाशय में प्रवेश कराया जाता है और गर्भधारण हो जाता है।

जब पुरुष में हो इनफर्टिलिटी प्रॉब्लम: महिला को गर्भवती होने के लिए जरूरी है कि पुरुष का स्वस्थ शुक्राणु निकल कर महिला के अंडे के साथ निषेचित होकर भ्रूण का विकास करे। लेकिन अगर पुरुष को शुक्राणु संबंधी कोई रोग, ब्लॉकेज या क्रॉनिक हेल्थ समस्या हो तो महिला का गर्भधारण करना मुश्किल होता है। इसके लिए आईवीएफ की तरह आईसीएसआई (इंट्रासिस्टोप्लाज्मिक स्पर्म इंजेक्शन) के जरिए मैच्योर अंडे के केंद्र में शुक्राणु को दाखिल किया जाता है। जिससे गर्भ धारण हो पाता है।

प्रस्तुतिः दीपिका शर्मा

समर सीजन में पसीने की गंध खुद को ही नहीं दूसरों को भी इरिटेट करती है। इससे राहत पाने के लिए आप परफ्यूम का यूज करती होंगी। लेकिन अपने लिए परफेक्ट परफ्यूम सेलेक्ट करते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है, आपको यह पता होना चाहिए। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

समर सीजन में ऐसे करें
सेलेक्ट परफेक्ट परफ्यूम

एडवाइस

शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मी के मौसम में पसीने की दुर्गंध आम समस्या है। यह जहां एक ओर हमारा मूड खराब कर देती है, वहीं इससे दूसरे लोग भी अनकंफर्टेबल महसूस करते हैं। यही वजह है कि पसीने की दुर्गंध से हमें कई बार शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। हालांकि शरीर से पसीना आना नेचुरल प्रोसेस है, लेकिन जब यह पसीना बैक्टीरिया से मिलता है तो दुर्गंध पैदा होती है। ऐसे में डियोडरेंट, टैल्कम पावडर और परफ्यूम पसीने की दुर्गंध से छुटकारा पाने में मददगार साबित होते हैं। बाजार में आपको परफ्यूम की ढेरों वैरायटीज मिल जाएंगी। लेकिन उनमें से अपने लिए परफेक्ट परफ्यूम सेलेक्ट करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दिल-दिमाग को मिले सुकून: परफ्यूम ऐसा होना चाहिए, जो पसीने की बदबू को रोकने के साथ आपके दिलो-दिमाग को सुकून भी दे। इसके साथ ही परफ्यूम आपकी स्किन और पर्सनालिटी के अनुकूल होना चाहिए ताकि आपको फील गुड का अहसास हो सके।

क्वालिटी से ना करें समझौता: परफ्यूम सेलेक्ट करते समय क्वालिटी से समझौता ना करें। इस बात का ध्यान रखें कि सस्ते के चक्कर में लो क्वालिटी परफ्यूम लगाने पर स्किन एलर्जी हो सकती है या रैशेज भी पड़ सकते हैं। अगर आपको किसी ब्रांड का परफ्यूम सूट करता है तो उसे यूज करते रहें बार-बार ब्रांड बदलने से बचें।

कर लें स्किन टेस्ट: कभी भी परफ्यूम को शरीर के खुले अंगों पर न लगाएं, क्योंकि इससे रिएक्शन होने का रिस्क बढ़ जाता है। परफ्यूम खरीदने से पहले इसमें एसिड की मात्रा जरूर चेक कर लें, क्योंकि एसिड की मात्रा ज्यादा होने से शरीर में खुजली, रैशेज आदि की समस्या हो सकती है। परफ्यूम की क्वालिटी और स्किन रिएक्शन चेक करने के लिए इसे कलाई पर दस मिनट तक लगाएं, यदि उस भाग पर दस मिनट तक कोई प्रॉब्लम नहीं होती तो यह आपकी स्किन के लिए सुटेबल है।

स्मेल हो नेचुरल: नेचुरल स्मेल वाला परफ्यूम अच्छा फील देता है। लड़कियों और महिलाओं को लाइट स्मेल वाले परफ्यूम का ही यूज करना चाहिए। परफ्यूम खरीदते समय यह ध्यान रखें कि इसे खरीदने से पहले इसकी स्मेल की जांच भी स्टोर के बाहर जरूर कर लें क्योंकि स्टोर के अंदर एयर कंडीशनिंग का असर परफ्यूम की सुगंध पर भी पड़ता है। गर्मी के मौसम में धूल, मिट्टी, गंदगी, पसीने की वजह से शरीर से दुर्गंध आने लगती है। ऐसे में आपके शरीर के नेचुरल केमिकल्स के साथ मैचिंग स्मेल वाला परफ्यूम सबसे बेहतर साबित होंगे। इसके अलावा फूलों को खुशबू वाले परफ्यूम भी आपके मूड को अच्छा बनाएंगे और मौसम के हिसाब से परफेक्ट रहेंगे। वैसे इन गर्मियों के लिए गुलाब, चंदन, लैवेंडर और लेमन खुशबू वाले परफ्यूम हल्के और ताजगी भरे महसूस होते हैं।

डियोडरेंट-पावडर भी हैं ऑप्शन: कुछ लोग डियोडरेंट का भी यूज करते हैं। ज्यादातर डियोडरेंट, शरीर से पसीने को रोकने का काम करते हैं। ऐसे में रोल-ऑन की बजाय स्प्रे ज्यादा इफेक्टिव होते हैं। गर्मियों में हल्की खुशबू का डियोडरेंट ज्यादा असरदायक माना जाता है, क्योंकि तेज खुशबू वाले पसीने को रोकने वाले डियोडरेंट के प्रयोग से त्वचा में जलन या रिएक्शन हो सकता है।

कुछ लोग गर्मी में टैल्कम पावडर उपयोग करते हैं। हालांकि हाइजीन की दृष्टि से टैल्कम पावडर ज्यादा यूजफुल नहीं माने जाते हैं लेकिन ये पसीने को सोख लेता है और शरीर को ताजगी का अहसास दिलाता है। गुलाब, चंदन और खसखस नेचुरल कूलेंट माने जाते हैं, इसलिए इनसे बने पावडर या डियोडरेंट गर्मियों में ज्यादा अच्छे रहते हैं।

एशियन चैम्पियनशिप के लिए महिला पहलवानों का हुआ चयन

अंडर-20 के 10 सदस्यीय दल में 9 व अंडर-15 के 10 सदस्यीय दल में 7 खिलाड़ी हरियाणा से

सोनीपत

एशियन चैम्पियनशिप के लिए अंडर-15 और अंडर-20 के अलग-अलग भार वर्ग के लिए महिला पहलवानों का चयन किया गया है। 12 जुलाई से 20 जुलाई तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों का चयन साई सेंटर बहालगढ़, सोनीपत में किया गया। इसके लिए पहलवानों के बीच ट्रायल भी हुए। ट्रायल के दौरान सांसद रमेश कौशिक, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की एडहॉक कमेटी के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा भी मौजूद रहे। अंडर-20 के लिए चयनित खिलाड़ियों में सिर्फ एक खिलाड़ी मध्यप्रदेश की है, जबकि अन्य 9 खिलाड़ी हरियाणा की ही हैं। वहीं दूसरी ओर अंडर-15 के लिए चयनित खिलाड़ियों में 7 पहलवान हरियाणा से हैं और बाकि की 3 पहलवान अन्य राज्यों से हैं। ये सभी महिला पहलवान जोर्डन के अमान में होने वाली प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधत्व करेंगी।

अंडर-20 के लिए इनका हुआ चयन

50 किलोग्राम भार वर्ग में मध्यप्रदेश की प्रियांशी, 53 किलो ग्राम भार वर्ग में हरियाणा की अंतिम, 55 किलो ग्राम भार वर्ग में हरियाणा की ज्योति, 57 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की रीना, 59 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की नितिका, 62 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की सविता, 65 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की अंतिम, 68 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की आरजू, 72 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की हर्षिता और 76 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की प्रिया का चयवन किया गया।

अंडर-15 के लिए इनका हुआ चयन

33 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की दीक्षा, 36 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की पूजा, 39 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की रचना, 42 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की दीपांशी, 46 किलोग्राम भार वर्ग में दिल्ली की अदिति कुमारी, 50 किलोग्राम भार वर्ग में दिल्ली की दृष्टि, 54 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की संध्या, 58 किलोग्राम भर वर्ग में हरियाणा की टीना पूनिया, 62 किलोग्राम भर वर्ग में राजस्थान की अश्वनी विश्नोई, 66 किलोग्राम भर वर्ग में हरियाणा की दीक्षा श्योराण को शामिल किया गया है।

सोनीपत। महिला पहलवानों के बीच मुकाबले शुरू करवाते हुए सांसद साथ में अन्य।

एक नज़र

सिंधू और प्रणय सिंगापुर ओपन में देंगे चुनौती

सिंगापुर। गत चैंपियन पी वी सिंधू थाईलैंड में खराब प्रदर्शन के बाद यहां मंगलवार से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिए वापसी की कोशिश करेंगी जबकि फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय जीत की लय कायम रखना चाहेंगे। पिछले साल अगस्त में टखने की चोट का शिकार हुई सिंधू के लिए हालात समान नहीं रहे हैं। वह धीरे धीरे लय में लौट रही हैं और मैड्रिड में स्पेन मास्टर्स में फाइनल तथा मलेशिया मास्टर्स में सेमीफाइनल तक पहुंची। थाईलैंड ओपन में हालांकि वह पहले दौर में बाहर हो गई। सिंधू का सामना पहले ही दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची से होगा। सिंधू का उसके खिलाफ कॅरियर रिकॉर्ड 14-9 का है लेकिन पिछले साल थाईलैंड ओपन में दोनों की टक्कर के बाद काफी कुछ बदल गया है।

जीसीएल ने घोषित की छह फ्रेंचाइजी टीमें

TECH mahindra GLOBAL CHESS LEAGUE

नई दिल्ली। ग्लोबल शतरंज लीग ने सोमवार को अपनी छह टीमें घोषित की जो दुबई में 21 जून से दो जुलाई तक होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता रैपिड प्रारूप में दोहरे राउंड रोबिन आधार पर खेली जाएगी। इस तरह से प्रत्येक टीम कम से कम 10 मैच खेलेगी। जीसीएल में पुरुष, महिला और अंडर 21 खिलाड़ी एक टीम के रूप में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेंगे।

ओवल पर दो स्पिनरों के साथ उतरे भारत

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व स्पिन गेंदबाज मोंटी पनेसर का मानना है कि ओवल पर जून में मैच होने के बावजूद भारत को आस्ट्रेलिया के

खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा दोनों स्पिनरों को लेकर उतरना चाहिए। डब्लूटीसी फाइनल सात से 11 जून तक ओवल पर खेला जाएगा। पनेसर ने कहा, 'यह ऐसी पिच है जिस पर आप दो स्पिनरों के साथ उतरना चाहेंगे। गेंद टर्न लेती है तो स्पिनरों को भी उछाल मिलेगी।

तैयारी से बेहतर है तरोताजा रहना

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को दो महीने तक टी20 क्रिकेट खेल कर इंग्लैंड पहुंचने की जगह भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए थोड़ा कम अभ्यास के साथ पहुंचने से कोई परहेज नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और डेविड वार्नर आईपीएल में खेल रहे थे जबकि मार्नस लाबुशेन काउंटी क्रिकेट में खेल रहे थे। इन तीनों के अलावा टीम के ज्यादातर खिलाड़ी लंबे समय के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलेंगे।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

सिद्धार्थ ने 19.52 मीटर गोला फेंक में जीता स्वर्ण, शाहरुख को सिल्वर

एजेंसी ▶▶ येचियोन

गोला फेंक खिलाड़ी सिद्धार्थ चौधरी ने सोमवार को यहां एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19.52 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इस 17 साल के खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में 19.52 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले जूनियर स्तर पर उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 19.11 मीटर का था। कतर के जिब्राइन अदौम अहमत (18.85 मी) और मेजबान देश के पार्क सिहून (18.70 मी) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। भारत ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन छह पदक जीतकर जापान (आठ स्वर्ण, दो रजत, दो कांस्य) और चीन (पांच स्वर्ण, तीन रजत, दो कांस्य) के बाद तीन स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य के साथ तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया।

लोहकरे ने 72.34 मीटर फेंका भाला

भाला फेंक में शिवम लोहकरे (72.34 मीटर), पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में शाहरुख खान (आठ मिनट 51.74 सेकंड) और लंबी कूद में सुष्मिता (5.96 मीटर) ने प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन रजत पदक जीते।

शकील को कांस्य पदक

चार गुणा 400 मीटर रिले टीम (तीन मिनट 30.12 सेकंड) और 800 मीटर धावक शकील (एक मिनट 49.79 सेकंड) ने में कांस्य पदक जीते। इससे पहले रेजोआना हीना मलिक और भरतप्रीत सिंह ने रविवार को क्रमशः महिला 400 मीटर रेस और पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किये थे।

भारत की लगातार दूसरी जीत मलेशिया को 1-2 से मिली हार

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप

एजेंसी ▶▶ काकामिगाहारा

भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2-1 से हराया। भारत के लिए मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया। मलेशिया के लिए डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22-0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाए हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरुआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिए गोल कर दिया। मलेशिया की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिए बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत का सामना मंगलवार को तीसरे पूल मैच में कोरिया से होगा।

धोनी को देखकर दबाव से निपटना सीखा

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर हॉकी कप्तान उत्तम सिंह दबाव से नहीं डरते और यह हुनर उन्होंने अपने पसंदीदा खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को देखकर सीखा है। ये झलक उनमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ सुल्तान जोहोर कप फाइनल में सडन डैथ में गोल करने से लेकर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर जूनियर एशिया कप जीतने तक में दिखा। उत्तम की कप्तानी में भारत ने ओमान के सालालाह में एक जून को जूनियर एशिया कप में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार खिताब जीता।

अल्कारेज की धमाकेदार जीत अंतिम-8 में पहुंची स्वितोलिना

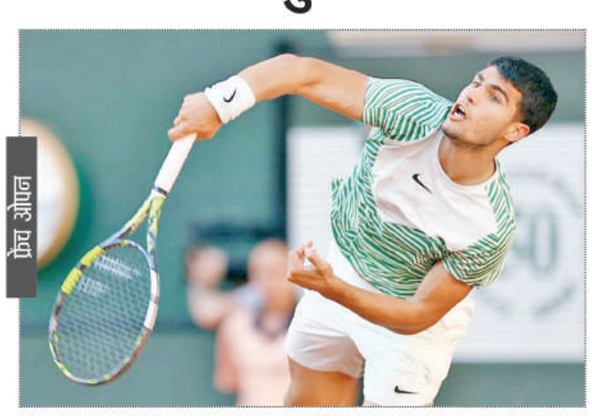

एजेंसी ▶▶ पेरिस

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने रविवार को यहां हटली के लॉरेंजो मुसेटी को सीधे सेट में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

शीर्ष वरीय अल्कारेज ने इटली के 17वें वरीय मुसेटी को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने वाले 20 साल के अल्कारेज क्वार्टर फाइनल में पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सिटसिपास से भिड़ेंगे। दो बार के ग्रैंडस्लैम उप विजेता सिटसिपास ने क्वालीफायर सबेस्टियन ओफनर को 7-5, 6-3, 6-0 से हराया। अल्कारेज अगर सिटसिपास को हरा देते हैं तो सेमीफाइनल में उनकी भिड़त नोवाक जोकोविच से हो सकती है जिन्होंने रिकॉर्ड 17वीं बार फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने जुआन पाब्लो वारिलास को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया।

स्वितोलिना ने दर्ज की जीत

यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने नौवें नंबर की दारिया कसात्किना को 6-4, 7-6 से हराकर महिला एकल के अंतिम आठ में जगह बनाई। स्वितोलिना ने मैच के बाद रूस की विरोधी से हाथ नहीं मिलाया और इसकी जगह 'थंब्स अप' किया। दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध के कारण स्वितोलिना ने ऐसा किया। अनास्तासिया पावलुचेनकोवा और केरोलिना मुचोवा भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। पावलुचेनकोवा ने 28वीं वरीय एलिस मर्टेन्स को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया जबकि मुचोवा ने एलिना अवानेस्यान को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी।

सीधे सेटों में जीती ओंस जाबूर

सातवीं वरीयता प्राप्त ओंस जाबूर ने सोमवार को यहां बर्नाडा पेरा को सीधे सेटों में पराजित करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ट्यूनीशिया की जाबूर ने अमेरिका की गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पेरा को 6-3, 6-1 से हराया। उन्होंने आठ बार पेरा की सर्विस तोड़ी। जाबूर ने 16 में से 15 अंक पेरा की दूसरी सर्विस पर बनाए। पिछले साल विंबलडन की उपविजेता जाबूर पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। जाबूर को भी अपनी सर्विस पर संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह 12 ब्रेक प्वाइंट में से आठ को बचाने में सफल रही। इस बीच उन्होंने पेरा की 33 सहज गलतियों का भी फायदा उठाया।

बीएआई ने आयु धोखाधड़ी से निपटने के लिए सुधार योजना लागू की

मुंबई। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) आयु संबंधी धोखाधड़ी से निपटने के लिए सुधार योजना को लागू किया जिसमें खिलाड़ियों को अपनी सही उम्र बताने का एक मौका दिया जायेगा। इसके बाद उसके द्वारा स्वीकृत टूर्नामेंट में दोषी पाए गए खिलाड़ियों के खिलाफ कड़े कदम उठाये जायेंगे। बीएआई की 'स्वैच्छिक आयु सुधार योजना (वीएआरएस)' उन पंजीकृत खिलाड़ियों के लिए है जिनके पास मौजूदा समय में बीएआई का पहचान पत्र है, लेकिन उसमें जन्मतिथि गलत है या उम्र को लेकर कोई विसंगति हैं। बीएआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस योजना के तहत पंजीकृत खिलाड़ी 20 दिन की अवधि के अंदर अपनी जन्मतिथि और उम्र में सुधार कर सकेंगे। यह योजना छह जून से शुरू होकर 25 जून तक चलेगी। संघ ने हाल की आयु संबंधी धोखाधड़ी की शिकायतों और धोखाधड़ी के मामलों को गंभीरता से लिया है। इस मुद्दे से निपटने और सभी प्रतिभागियों के लिए एक समान मौका सुनिश्चित करने के लिए, बीएआई स्वीकृत टूर्नामेंट में आयु धोखाधड़ी के दोषी पाए गए खिलाड़ियों के खिलाफ कड़े कदम उठायेगा।"

धनुष श्रीकांत ने सुहल जूनियर विश्व कप में भारत को तीसरा स्वर्ण दिलाया

एजेंसी ▶▶ सुहल(जर्मनी)

धनुष श्रीकांत ने सोमवार को जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीत दर्ज करके भारत को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। धनुष ने 24 शॉट के फाइनल में 249.4 का स्कोर करके स्वीडन के रजत पदक विजेता पोंटस कालिन को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे ने कांस्य पदक जीता। भारत ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। हरमेहर लैली और संजना सूद ने शूटऑफ में स्वीडन के डेविड जानसन और फ़ेलिशिया रोस को हराकर भारत को यह पदक दिलाया। भारत अब पदक तालिका में तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य के साथ शीर्ष पर है। अमेरिका दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल भारत के तीन निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। धनुष क्वालिफिकेशन में 628.4 अंक बनाकर छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे। प्रथम भड़ाना ने 628.7 अंक बनाए और वह क्वालिफिकेशन में धनुष से आगे पांचवें स्थान पर रहे। रविवार को एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले अभिनव साव ने 626.7 अंक बनाए और उन्होंने आठवें नंबर पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। अभिनव हालांकि फाइनल में सातवें स्थान पर रहकर बाहर हो गए जबकि प्रथम चौथे स्थान पर रहे। धनुष ने फाइनल में शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया तथा लगातार बढ़त बनाए रखी और अपने किसी भी प्रतिद्वंदी को मौका नहीं दिया। स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में हरमेहर और संजना के अलावा रितु राज बुंदेला और रायजा ढिल्लन ने भी हिस्सा लिया लेकिन यह भारतीय जोड़ी 134 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में सातवें स्थान पर रही।

अपने देश स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे

एसी मिलान के फारवर्ड इब्राहिमोविच ने लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶ मिलान

एसी मिलान के अनुभवी फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच ने तुरंत प्रभाव से फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है। इब्राहिमोविच का मौजूदा सत्र के बाद सिरी ए क्लब एसी मिलान के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा था। मिलान की टीम पहले ही कह चुकी थी कि हेलास वेरोना के खिलाफ मैच के बाद स्वीडन के 41 साल के इब्राहमोविच को विदाई देने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इब्राहिमोविच ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया कि उनके संन्यास लेने की खबर की किसी को जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि मेरे परिवार को भी नहीं पता था क्योंकि मैं चाहता था कि जब मैं घोषणा करूं तो सभी इसे एक साथ सुनें।'

सेन सिरो में मैच के बाद जब वह मैदान से बाहर निकल रहे थे तो टीम के उनके साथियों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। इब्राहिमोविच अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे और उन्होंने अपने साथियों से कहा, 'फुटबॉल को अलविदा कहने का समय आ गया है लेकिन आपको नहीं।'

163 मैच में दागे 93 गोल

इब्राहिमोविच ने मिलान की ओर से 163 मैच में 93 गोल दागे। वह जनवरी 2020 में दूसरी बार टीम के साथ जुड़े और पिछले साल टीम के साथ अपना दूसरा सिरी ए खिताब जीता। पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद वह चोटों से जूझते रहे और मौजूदा सत्र में टीम की ओर से सिर्फ चार मैच खेल पाए। मिलान के अलावा इब्राहिमोविच पेरिस सेंट जर्मेन, इंटर मिलान, बार्सीलोना, यूवेंटस और अजैक्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत स्थानीय क्लब माल्मो के साथ की थी। इब्राहिमोविच ने स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे।

छिपकली या गिरगिट के रूप में हमारे बीच घूम रहे हैं एलियंस

सीआईए एजेंट का सनसनीखेज दावा, जानवरों के भेष में घूम रहे एलियंस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

क्या ब्रह्मांड में एलियंस मौजूद हैं? दुनियाभर के वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब सालों से तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक कोई कामयाबी नहीं मिल पाई है। कई लोगों ने धरती पर एलियंस या यूएफओ देखने का दावा किया है। इसकी वजह से वैज्ञानिक लगातार एलियंस को तलाशने की कोशिश में लगे हैं। खबरें आ रही हैं कि छिपकली या गिरगिट के रूप में हमारे आसपास एलियंस छिपकर घूम रहे हैं । अक्सर एलियंस से जुड़ी हैरान करने वाली खबरें सामने आती रहती हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन आसमान में अभी तक देखे गए सैकड़ों अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) की जांच कर रहा है।

- *इंसानों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने का दावा*
- *वैज्ञानिक अमेरिका रक्षा मंत्रालय की बात मानने को तैयार नहीं*

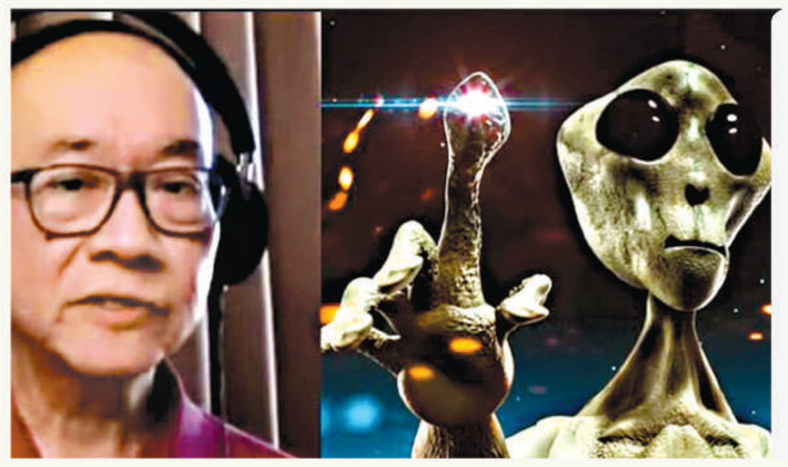

एलियन यान मौजूद

पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी और हावर्ड यूनिवर्सिटी के प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवी लोएब ने भी चौकाने वाला दावा किया था। उन्होंने कुछ महीने पहले कहा था हमारी पड़ोसी आकाश गंगाओं में कई एलियन यान मौजूद हैं। उनके मुताबिक, जिस तरह हम दूसरे ग्रहों पर यान भेजकर जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसी तरह एलियंस भी छोटे-छोट यानों से धरती के लोगों पर नजर रख रहे हैं। वह इंसानों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। पहले पेंटागन ने एक जांच के बाद रिपोर्ट जारी की थी। इस में कहा गया था कि अभी तक अंतरिक्ष से आने वाले एलियन और यूएफओ के कोई सबूत नहीं हैं। दुनियाभर के वैज्ञानिक और लोग अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की इस बात को मानने को तैयार नहीं हैं। लोगों का कहना है कि एलियन की जानकारी अमेरिका छिपा रहा है।

एलियंस से सामना होने का दावा

अब अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के एक पूर्व एजेंट जॉन रामिरेज ने एलियंस को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। सीआईए के पूर्व एजेंट का कहना है कि एक रेप्टाइल की तरह दिखने वाले एलियंस से उनका सामना हो चुका है। एजेंट का कहना है कि एलियंस इंसानों के बीच ही रह रहे हैं। सीआईए एजेंट का दावा है कि वह छिपकली या गिरगिट का रूप धरकर रहते हैं।

25 साल किया एजेंट का काम

जॉन रामिरेज ने सीआईए के एजेंट के तौर पर 25 साल तक काम किया है। उनको इस क्षेत्र का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्होंने अब जाकर एलियन के साथ अपने एनकाउंटर की कहानी को बताया है। उनका कहना है कि हम जैसा सोचते हैं, वो वैसा नहीं दिखते हैं। एलियंस पूरी तरह छिपकली या गिरगिट की तरह दिखते हैं। उनके बारे में विस्तार से बताना थोड़ा मुश्किल है।

एक नज़र

बीएसएफ को नहीं मिल सका स्थायी डीजी

नईदिल्ली। बीएसएफ को 156 दिन में भी स्थायी डीजी नहीं मिल सका है। पहली जनवरी से

बीएसएफ महानिदेशक पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी, सीआरपीएफ डीजी डॉ. एसएल थाउसेन संभाल रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल के इतिहास में यह दूसरा मौका है, जब स्थायी डीजी का पद 150 दिन से भी ज्यादा समय तक खाली रहा है।

जासूसी एजेंसियों के चीफ की हुई 'सीक्रेट' मीटिंग

सिंगापुर। दुनियाभर के जासूसों की एक बैठक यहां आयोजित की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया अधिकारियों की इस गोपनीय बैठक में अमेरिका की तरफ से नेशनल इंटेलिजेंस की डाइरेक्टर एवरिल हेन्स मौजूद थीं। खास बात यह है कि इस बैठक में चीन के खुफिया विभाग के प्रमुख भी थे।

अफगानिस्तान में 80 बच्चियों को जहर दिया

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी इलाके में दो अलग-अलग मामलों में प्राइमरी स्कूल की 80 लड़कियों को जहर दिया गया। सभी को

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके के शिक्षा अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद ये पहला ऐसा मामला है।

बिना चीनी वाले स्वीटनर का इस्तेमाल न करें

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गैर-चीनी मिठास (एनएसएस) पर एक नया दिशा

निर्देश जारी किया है, जो शरीर के वजन को नियंत्रित करने या गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के जोखिम को कम करने के लिए एनएसएस के उपयोग के खिलाफ रेकमेंडे करता है। ये रेकमेंडेशन एक सिस्टमैटिक रिव्यू पर आधारित है।

अगले कुछ सालों के लिए भारत-अमेरिका औद्योगिक सहयोग रोडमैप को मंजूरी

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थायित्व को बनाए रखने के लिए भारत-अमेरिका सहमत

राजधानी में हुई भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक में लिया गया निर्णय

⏭ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन विवाद, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले सोमवार को राजधानी में भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें अगले कुछ वर्षों के लिए भारत-अमेरिका औद्योगिक सहयोग के रोडमैप को मंजूरी दी गई। इसके अलावा व्यापक रक्षा सहयोग गतिविधियों, नई तकनीक के सह-विकास और सह-उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थायित्व को बनाए रखने के लिए साझा हितों से जुड़े हुए तमाम जरूरी मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एक खुले हुए, स्वतंत्र और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का गठन करने के लिए भारत और अमेरिका की सामरिक भागीदारी महत्वपूर्ण है। हम क्षमता विकास से जुड़े हुए तमाम क्षेत्रों में अमेरिका के साथ निकटता से काम करने और भविष्य में सामरिक भागीदारी को मजबूत बनाने के इच्छुक हैं।

2016 में भारत बना प्रमुख रक्षा भागीदार

एक अन्य ट्वीट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अपने मित्र और अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से दिल्ली में मुलाकात कर अच्छा लगा। हमारी बातचीत में रक्षा और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की गई। यहां बता दें कि अमेरिका ने वर्ष 2016 में भारत को एक प्रमुख रक्षा भागीदार के रूप में नामित किया था। जिसका उद्देश्य चुनौतीपूर्ण सैन्य उपकरणों और तकनीक की साझेदारी को मजबूत बनाना था। बीते रविवार से अमेरिकी रक्षा मंत्री भारत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यह उनकी दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वह वर्ष 2021 में भारत की यात्रा पर आए थे। बीते कुछ सालों में दोनों देशों के बीच लेमोआ, कॉमकासा और बेका जैसे समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

लचीली सप्लाई चेन की आवश्यकता

दोनों रक्षा मंत्रियों ने अपनी बातचीत के दौरान एक लचीली सप्लाई चेन बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, रक्षा स्टार्ट-अप बढ़ाने के लिए सह-उत्पादन और विकास से जुड़े हुए अवसरों की पहचान भी उक्त चर्चा का हिस्सा बना। दोनों रक्षा मंत्रियों ने हाल ही में हुए रक्षा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिफेंस स्पेस पर ध्यान केंद्रित को लेकर हुए उद्घाटन संवाद का स्वागत किया।

एनएसए से हुई लॉयड ऑस्टिन की मुलाकात

उधर इस बैठक के अलावा अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच क्षमताओं को सशक्त बनाने के लिए समुद्री, सैन्य और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में सहयोग को लेकर चर्चा की गई। भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को ध्यान में रखते हुए तकनीक के हस्तांतरण, सह-उत्पादन और स्वदेशी क्षमता विकास के विषयों पर भी चर्चा की गई। दोनों ने मध्य पूर्व, दक्षिण-एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत जैसे क्षेत्रों में मौजूद तमाम देशों को उनके राष्ट्रीय हितों के हिसाब से अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने पर जोर दिया। इसके अलावा दोनों के बीच सप्लाई के भरोसेमंद स्रोत, लचीली सप्लाई चेन और उद्योग से उद्योगों के बीच गहरी साझेदारी पर ध्यान केंद्रित पर सहमति बनी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नाटो को स्थापित करने की कोशिश नहीं कर रहा अमेरिकाः ऑस्टिन

क्षेत्र में लगातार जारी चीन के आक्रामक रुख के बीच बीते रविवार को भारत की धरती से अमेरिकी रक्षा मंत्री की ड्रैगन को दो टूक।

⏭ नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती आक्रामकता के बीच सोमवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बेहद कड़े अंदाज में उसे संदेश देते हुए कहा कि अमेरिका क्षेत्र में नाटो जैसे गठबंधन को स्थापित करने की बिलकुल कोशिश नहीं कर रहा है। लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका इलाके को स्वतंत्र और खुला हुआ बनाने के लिए समान सोच वाले देशों के साथ लगातार काम करता रहेगा। जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और विचारों का भी निरंतर रूप से आदान-प्रदान किया जा सकता है। इस कार्य को हम लगातार जारी रखेंगे। भारत और अमेरिका भी एक स्वतंत्र और खुले हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर समान विजन साझा करते हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब हाल ही में सिंगापुर में हुए शांगरी ला संवाद के दौरान चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने अमेरिका को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नाटो जैसे सैन्य गठबंधन को बनाने को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि क्षेत्र में नाटो जैसे गठबंधन को बढ़ावा देने के प्रयास क्षेत्रीय देशों के अपहरण करने और इलाके में तनाव, विवाद को बढ़ावा देने के समान है। अमेरिका और चीन के बीच अगर टकराव हुआ तो पूरी दुनिया इससे प्रभावित होगी। यहां बता दें कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन चार देशों की यात्रा के तहत बीते रविवार को भारत पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने जापान और सिंगापुर की यात्रा की थी।

एलएसी पर तनाव बढ़ने की संभावना

इन सबके बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री ने यह आशंका जताई कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर तनाव बढ़ सकता है। ऑस्टिन ने कहा कि एलएसी पर क्या होगा, इसे लेकर मैं कोई अनुमान नहीं लगाना चाहता। लेकिन कुछ घटनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन सबके बीच ये सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी परिस्थिति न बने। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच वर्ष 2020 के मध्य से पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव जारी है। जून 2020 में जब दोनों सेनाओं के बीच इलाके में गलवान घाटी में खूनी हिंसक झड़प हुई और तनाव अपने चरम जा पहुंचा था। तब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विवाद को समाप्त करने के लिए भारत और चीन के बीच मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा था। जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था।

टेकामेटा की पहाड़ी पर हुआ हमला

बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट नक्सली हमले में 2 जवान घायल

एजेंसी ⏭ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों पर सोमवार को नक्सलियों ने हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट की वजह से सीआरपीएफ 85बीएन के दो जवान घायल हो गए। छत्तीसगढ़ पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घायल सैनिकों को प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर ले जाया जा रहा है। एक अधिकारी के मुताबिक, घटना सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर गंगालूर पुलिस थाने की सीमा के तहत टेकामेटा पहाड़ी के पास हुई। हमले से ठीक पहले सीआरपीएफ की 85वीं बटालियन की एक टीम रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित पुसनर कैंप से इलाके में वर्चस्व अभियान पर निकली थी। जब टीम इलाके की घेराबंदी कर रही थी तभी प्रेशर आईईडी विस्फोट हो गया। इसमें सीआरपीएफ के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

इलाके में नक्सलियों की तलाशी के लिए अभियान

अधिकारी ने कहा कि घायल जवानों को बीजापुर के जिला अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है, उन्हें आगे के इलाज के लिए रायपुर ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार अरनपुर थाना क्षेत्र में माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर दंतेवाड़ा से डीआरजी बल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया था। वापसी पर अरनपुर मार्ग पर आईईडी विस्फोट कर दिया गया।

न्यूयॉर्क की धरती से बोला बड़ा हमला

राहुल का तंज बोले-मोदीजी पीछे देखकर गाड़ी चलाते हैं

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं और वह वहां से भी केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर लगातार हमला बोल रहे हैं। उनके दौरे के बीच ओडिशा के बालासोर में बड़ा रेल हादसा हो गया। हादसे को लेकर भी मोदी सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हादसे के लिए कभी भी ब्रिटिश लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहराया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पीछे देखकर गाड़ी चलाते रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, आप सोचिए, अगर आप कार चलाते हैं तो क्या करते हैं। यह कल्पना करिए कि कार चलाते समय अगर सिर्फ रिअर व्यू मिरर यानी पीछे की ओर से निहारते हैं तो क्या आप गाड़ी चला पाएंगे। एक के बाद एक कई तरह के हादसे हो जाएंगे।

वो हादसे के बारे में जान ही नहीं पाते

पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण लीजिए। वह भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वह रियर व्यू मिरर की ओर ही देखते रहते हैं। फिर वह यह समझ ही नहीं पाते कि आखिर कार के साथ हादसा क्यों हो रहा है, गाड़ी आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही है। और यही विचार भाजपा और आरएसएस के साथ भी है। आप उनको और उनके मंत्रियों को सुनिए।

250 यूक्रेनी सैनिकों को मारने का दावा

यूक्रेन ने दिया जवाब- हमने 23 रूसी हमलों को नाकाम किया

एजेंसी ⏭ नईदिल्ली

रूस ने डोनटेस्क इलाके में यूक्रेन के बड़े हमले को नाकाम करने का दावा किया है। रूसी सेना ने कहा है कि उन्होंने यूक्रेन के 250 सैनिकों को मारा है और 16 टैंकों और कई सैन्य वाहनों को तबाह किया है। रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोमवार को टेलीग्राम चैनल पर बताया की दुश्मन की तरफ से 4 जून को बड़ा हमला लॉन्च किया गया था, जिसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिल पाई। यूक्रेन की तरफ से रूस के इस दावे पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया गया है। यूक्रेनी सेना के अधिकारी ने सिर्फ ये कहा कि वो लुहांस्क और डोनटेस्क में रूस के कब्जे को पूरा होने से रोकने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। रूस के 23 हमलों को नाकाम किया गया है।

यूक्रेन पर हमले के दौरान मौजूद रहे रूसी चीफ ऑफ स्टाफ

रूस ने बताया है कि यूक्रेनी सेना पर हमले के दौरान लड़ाई के मैदान में खुद चीफ ऑफ स्टाफ वैलेरी गैरिसिमोव मौजूद थे। वहीं, रूस के दावे पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शाम को दिए गए संबोधन में भी कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने सिर्फ ये कहा कि यूक्रेन हमले के लिए तैयार है। दरअसल, यूक्रेन के रूसी सेना पर बड़ा अटैक करने की बात कही जा रही है। इसके लिए यूक्रेनी सैनिकों को अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी में बने हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

पहले नेपाल, पाकिस्तान भी जता चुका है आपत्ति

'अखंड भारत' का नक्शा लगाने पर आगबबूला हुआ बांग्लादेश

एजेंसी ⏭ ढाका

नेपाल, पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश के नेताओं ने भारत की संसद में 'अखंड भारत' का भित्तिचित्र लगाने पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। बांग्लादेश के राजनीतिक दलों ने इस बात पर गुस्सा जताया है कि इस भित्तिचित्र में बांग्लादेश को भी दिखाया गया है। इन दलों ने इस भित्तिचित्र की आलोचना करते हुए प्रदर्शन किया है। इन बांग्लादेशी दलों ने भारत से मांग की है कि भित्तिचित्र को हटाया जाए। इस बीच पड़ोसियों की आलोचना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ कह दिया है कि यह 'अखंड भारत' का नक्शा नहीं बल्कि सम्राट अशोक के 'साम्राज्य' को दिखाता है।

संप्रभुता के लिए खतरा

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कोई बयान नहीं दिया है। इस बीच अवामी लीग के गठबंधन में शामिल जासाद पार्टी के नेता हसनूल हक इनू ने कहा कि 1947 के बाद के राजनीतिक नक्शे में अखंड भारत जैसी कोई चीज नहीं है। भारत की संसद में अविभाजित भारत को दिखाया जाना अवांछित है। उन्होंने आशा जताई कि भारतीय अधिकारी इसमें संसोधन करेंगे ।विपक्षी खालिदा जिया की बीएनपी ने इसका विरोध किया है । बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि किसी दूसरे देश के अविभाजित नक्शे में बांग्लादेश को दिखाना देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए खतरा है।

अपने बांग्लादेशी समकक्ष से मिले जनरल पांडे, रक्षा समेत साझा हितों से जुड़े तमाम मुद्दों पर की चर्चा

⏭ नई दिल्ली

अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत सोमवार को सेनाप्रमुख जनरल मनोज पांडे बांग्लादेश पहुंचे और वहां उन्होंने अपने समकक्ष जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद से मुलाकात की। जिसमें द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों का विस्तार देने के उपाय तलाशने के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए तमाम मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। सेना के सार्वजनिक सूचना निदेशालय (एडीजीपीआई) ने एक ट्वीट में बताया कि जनरल मनोज पांडे ने इस यात्रा के दौरान बांग्लादेश के सेनाप्रमुख जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद और प्रमुख स्टाफ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल वाकर उज़मान और सशस्त्र बल प्रभाग के साथ बातचीत की। साझा हितों से जुड़े हुए मुद्दों पर भी दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई है।

वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

सेनाप्रमुख जनरल पांडे ने अपनी इस यात्रा के दौरान शिखा अनिर्बान पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही बांग्लादेश की मुक्ति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व सेनाप्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सेना कुंजा में गार्ड ऑफ ऑर्नर सम्मान का निरीक्षण किया और दोनों सेनाओं के बीच मित्रता की याद में एक पौधा भी लगाया। गौरतलब है कि यह सेनाप्रमुख जनरल मनोज पांडे का दूसरा बांग्लादेश दौरा है। इससे पहले बतौर भारतीय सेनाप्रमुख के रूप में अपना कार्यभार संभालने के बाद पिछले साल जुलाई 2022 में उन्होंने बांग्लादेश की यात्रा की थी।

चटगांव में पीओपी का करेंगे निरीक्षण

सेनाप्रमुख जनरल मनोज पांडे अपनी इस यात्रा के दौरान मंगलवार को चटगांव में बांग्लादेशी सैन्य अकादमी (बीएमए) के 84वें लांग कोर्स अधिकारी कैडेट्स की पासिंग आउट परेड (पीओपी) का निरीक्षण करेंगे। इस अवसर पर जनरल पांडे बीएमए से कोर्स पूरा कर बाहर निकलने वाले मित्र देशों के सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट के लिए स्थापित बांग्लादेश भारत मैत्री ट्रॉफी भी प्रदान करेंगे। इस संबंध में पहली ट्रॉफी इस साल तंजानिया के अधिकारी कैडेट एवर्टन को प्रदान की जा रही है। यहां बता दें कि यह ट्रॉफी दिसंबर 2021 में भारतीय सैन्य अकादमी (देहरादून) में कोर्स पास करने वाले सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट के लिए स्थापित बांग्लादेश ट्रॉफी और पदक के बदले में है।

एक नज़र

बार-बार हैक होने के बाद बाबा श्याम का FB पेज होगा बंद

मंदिर कमेटी का निर्णय

हिलव्यू समाचार

जयपुर। खाटूश्याम जी के भक्तों के लिए बुरी खबर है। मंदिर कमेटी ने खाटूश्यामजी के ऑफिशियल फेसबुक पेज को डिलीट करने का मन बना लिया है। इस पेज के माध्यम से भक्तों को तीनों टाइम लाइव आरती और रोजाना बाबा के श्रृंगार के दर्शन करवाए जाते थे। पिछले दिनों इसे हैकर्स ने हैक किया और इसकी स्टोरी पर अश्लील फोटो पोस्ट किए गए, हालांकि तब मंदिर कमेटी ने इसे रिकवर कर लिया। मगर जब रविवार को फिर से पेज हैक करके अश्लील फोटो डाली, तो मंदिर कमेटी की ओर से खाटूश्यामजी थाने में शिकायत दी गई। दूसरी तरफ मंदिर कमेटी की ओर से सोशल मीडिया की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाया गया। अगर समय रहते यहां सोशल मीडिया की सिक्योरिटी बढ़ाई होती तो शायद यह नौबत नहीं आती।

इस बार से ही मिलेगी 100 यूनिट फ्री बिजली

सॉफ्टवेयर हो रहे अपडेट, देरी से आएगा बिल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। **जयपुर**। प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं को निःशुल्क 100 यूनिट बिजली योजना का लाभ जून महीने में मिलेगा। इसके लिए बिलिंग सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। योजना के अनुसार बिलिंग सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव करने में 3 से 4 दिन का समय लगना संभावित है। इसके बाद घरेलू उपभोक्ताओं की जून महीने की बिलिंग शुरू की जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक राहत प्रदान करने के लिए 31 मई को निर्णय लिया था। प्रदेश में 2000 यूनिट्स तक के उपभोग वाले कृषि उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली हेतु बिलिंग सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव करवाए जा चुके है। इसलिए घरेलू उपभोक्ताओं के अतिरिक्त अन्य सभी श्रेणी जैसे कृषि, औद्योगिक, वाणिज्यिक श्रेणी के उपभोक्ताओं की माह जून, 2023 की बिलिंग 4 जून से प्रारंभ की जा रही है ।

1 से 15 जून के बीच आने वाले बिलों में दिखेगी राहत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को 100 यूनिट फ्री देने की घोषणा की थी, जिसे 1 मई से लागू माना जाएगा। जो पहला बिल 1 से 15 जून के बीच आएगा उनमें संबंधित राहत देखने को मिलेगी। 100 यूनिट तक बिजली का उपभोग करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा और इसके बाद अगर कोई 200 यूनिट तक उपभोग करता है तो उसके पहले 100 यूनिट बिजली तो फ्री होगी उसके बाद 200 यूनिट तक अन्य शुल्क नहीं देने होंगे। गौरतलब है कि महंगाई राहत कैंपों में मुख्यमंत्री को फीडबैक मिला था कि फ्यूल चार्ज व अन्य शुल्कों के जनता पर बोझ बढ़ता है। इसके बाद उन्होंने जनता का आर्थिक बोझ कम कर राहत देने के लिए यह घोषणा की।

डांगी जन अभियोग निराकरण समिति के सदस्य बने

जयपुर। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर राज्य सभा सांसद नीरज डांगी को राज्य स्तरीय जन अभियोग निराकरण समिति में सदस्य मनोनीत किया गया है। संयुक्त शासन सचिव जन अभियोग निराकरण विभाग हरि मोहन मीना की ओर से जारी आदेशानुसार डांगी का मनोनयन सहमति के आधार पर किया गया है।

लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन का राज्यस्तरीय सम्मेलन

असली पत्रकार वही, जो समाज और जनता से रखे सरोकार: मुख्यमंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र में लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन की ओर से आयोजित हुए राज्यस्तरीय पत्रकार सम्मलेन में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बातचीत करते हुए पत्रकारों को लेकर कहा कि आज जो भी स्थिति है और चाहे किसी की भी सरकार हो, आपकी भूमिका आपकी ही होती है।

आप किसी भी स्थिति में कॉम्प्रोमाइज नहीं कर सकते हैं। साथ ही सीएम गहलोत ने पत्रकारों से कहा कि असली पत्रकार वही है, जो सामाजिक सरोकार निभाता है और जो जनता से सरोकार रखता है। उन्होंने पत्रकारों को लेकर कहा कि वह भी कोई अमीर नहीं होते हैं और महंगाई उनको भी प्रभावित करती है। इसलिए उन्हें भी राज्य सरकार की ओर से लगाए जा रहे महंगाई राहत कैंप में अपना पंजीकरण करवाकर महंगाई से राहत लेनी चाहिए। सीएम गहलोत ने कहा कि कुछ पत्रकार आरएसएस व भाजपा से जुड़े हैं। मैं उन्हें भी जानता हूं, लेकिन वह किसी के साथ अलग से व्यवहार नहीं करते हैं। उनके लिए सभी समान हैं। हर किसी की अपनी विचारधारा होती है, लेकिन लड़ाई विचारधारा की होनी चाहिए। गहलोत ने कहा कि मेरा पत्रकारों के साथ चाय का रिश्ता रहा है।

तथ्य जांचना जरूरी

सीएम ने कहा कि पत्रकारिता करना आसान काम नहीं है। पत्रकार को लेखनी पर उतारने से पहले चिंतन-मनन करना पड़ता है और फिर वह लिखता है। लेकिन एक पत्रकार के लिए यह जरूरी है कि वह तथ्यों की जांच कर लिखें। यह उनकी जिम्मेदारी है कि तथ्यों की परख व जांच के बाद ही जनता तक सही बात पहुचाएं।

लोकतंत्र के सजग प्रहरी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पक्ष का महत्व तभी है, जब विपक्ष का अस्तित्व हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पत्रकार, साहित्यकार और लेखकों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। गहलोत ने कहा कि वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत राज्य सरकार पत्रकारों को प्रति माह 15 हजार रुपए पेंशन दे रही है। साथ ही, कोरोना महामारी से दिवंगत हुए 9 पत्रकारों को राज्य सरकार ने 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अलवर, उदयपुर सहित कई स्थानों पर पत्रकारों को भूखण्ड आवंटित किए हैं।

राजस्थान 2030 तक अग्रणी राज्य बनेगा

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लागू कर रही है। 25 लाख रुपए तक निशुल्क इलाज, स्वास्थ्य का अधिकार कानून, राजकीय कर्मचारियों को ओपीएस और आरजीएचएस जैसे राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की आर्थिक विकास दर देश में दूसरे स्थान पर है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन से राजस्थान 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बन जाएगा। वहीं विधायक रफीक खान ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गोयल ने कहा कि लघु एवं मध्यम समाचार पत्र सीमित संसाधनों के बावजूद सामाजिक सरोकारों के साथ कार्य कर रहे हैं।

कर्मचारी नेता को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

सराहनीय कार्य करने वालों को दिए जाएंगे हनुमान सिंह अवॉर्ड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। **जयपुर**। राज्य कर्मचारियों की दमदार आवाज रहे कर्मचारी नेता एवं खेल प्रशासक स्व. हनुमान सिंह खंगारोत की याद में इसी वर्ष से उनकी जयंती (28 अगस्त) पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वालों को राज्य स्तरीय हनुमान सिंह अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

यह घोषणा शनिवार को स्व. श्री हनुमान सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर राजपूत सभा भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हनुमान सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. तेजराज सिंह ने की। उन्होंने बताया कि अवॉर्ड खेल के क्षेत्र में, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में, समाज सेवा के क्षेत्र में, लीक से हटकर कार्य करने वाले राजनीतिज्ञों और भामाशाहों को दिए जाएंगे।

इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन शीघ्र किया जाएगा। श्रद्धांजिल सभा में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सांसद-जयपुर रामचरण बोहरा, राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, श्री राजपूत सभा-जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह राजावत सहित राज्य कर्मचारियों तथा राजनीति व खेल जगत से जुड़ी हस्तियों ने स्व. हनुमान सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर राजपूत सभा भवन में श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

यूट्यूब पर अपलोड होंगे टीचर्स ट्रेनिंग के वीडियोज

टीचर्स को डिजिटल ट्रेनिंग देगा शिक्षा विभाग

हिलव्य समाचार

जयपुर। प्रदेश सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले टीचर्स को अब ट्रेनिंग के लिए इधर-उधर भटना नहीं पड़ेगा। शिक्षा विभाग अब टीचर्स को डिजिटल ट्रेनिंग देने की योजना बना रहा है।

शिक्षा विभाग टीचर्स की ट्रेनिंग के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करने जा रहा है। जिसके तहत शिक्षा विभाग के सभी ट्रेनिंग मॉड्यूस का वीडियो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि हर साल एक जैसी छोटी-छोटी ट्रेनिंग्स के लिए शिक्षकों को अपने स्कूल मुख्यालय से बसों में सफर कर अन्यत्र जाना पड़ता है। इसमें समय भी जाया होता है। उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विभाग के स्तर पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यों के वीडियोज 'इनहाऊस' तैयार कर 'यूट्यब' पर डाले जा सकते हैं। ऐसे वीडियोज को शिक्षक आवश्यकता पड़ने पर कभी भी फिर से देख सकते है। इन्हें विद्यार्थियों को भी दिखाया जा सकता है। वहीं जैन ने सरप्राइमरी और सैकेंडरी स्कूलों में आयोजित होने वाले विज्ञान मेले के जरिए विद्यार्थियों में सांइस एवं टेक्नोलॉजी की सोच और अभिरूचि को प्रमोट करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत इस साल प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक से बच्चों का चयन कर उनको अंतर जिला और अंतर राज्य भ्रमण पर ले जाया जाएगा।

पिंकसिटी में दिनभर चली पर्यावरण बचाने की मुहिम, रैली निकाल दिया संदेश

आवासन मंडल लगाएगा 90 हजार पेड़-पौधे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राजधानी में दिनभर जगह- जगह पौधरोपण किया गया। यहां अलग-अलग संस्थाओं की ओर से कई जगह पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया गया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए अल्बर्ट हॉल से 'रन फॉर एनवायरमेंट' मैराथन का आयोजन हुआ। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में बच्चों सहित पर्यावरण प्रेमियों ने हिस्सा लिया। दूसरी तरफ कई विभागों की ओर से जगह- जगह हुए आयोजनों में पर्यावरण को बचाने की संकल्प भी लिया गया। आवासन मंडल की ओर से आगामी मानसून तक प्रदेशभर में 90 हजार से अधिक पेड़- पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें सर्वाधिक 20 हजार से अधिक पेड़-पौधे सिटी पार्क में लगाए जाएंगे।

दूसरी तरफ मंडल की ओर से लगाए जाने वाले पेड़ों में अधिकतर छायादार और फल-फूलदार वाले लगाए जाएंगे ताकि आमजन को पर्याप्त छाया और सुकून मिल सके।

एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन का उद्घाटन

वन और पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी ने कहा कि पर्यावरण प्रेमियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, औद्योगिक इकाइयों सहित आमजन की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इस मौके पर वन विभाग ने निशुल्क दो हजार पौधे बांटे। इधर पर्यावरण मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में 33 नए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन का उद्घाटन तथा जमवारामगढ़ के थोलाई स्थित इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क का शिलान्यास किया।

डीजीपी मिश्रा ने किया पौधरोपण

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय परिसर में पौधा लगाकर पौधरोपण किया। मिश्रा ने सभी पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को अपने अपने स्तर पर व्यापक पैमाने में पौधरोपण करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि हमारे पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस ही नहीं बल्कि जब भी अवसर मिले हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता है।

कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ कार्यवाही की मांग

यूथ बोर्ड अध्यक्ष ने रखा एक दिवसीय उपवास

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को जयपुर में राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने एक दिवसीय उपवास रखा। उनके साथ राजस्थान विवि शोध छात्रसंघ अध्यक्ष सहित कई युवा मौजूद रहे।

जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में गांधीवादी तरीके से उपवास करते हुए लांबा ने बृजभूषण शरण के खिलाफ केंद्र सरकार से एक्शन लेने की मांग उठाई। उपवास के दौरान लांबा ने कहा कि वर्तमान में देश में लोकतंत्र, संविधान और मानवीय मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही है और देश की बेटियों की आवाज को कुचला जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2, अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201, आदर्श नगर, राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)